कानपुर, सोमवार, 23 मार्च, 2026
वर्षः 03, अंकः 74, पृष्ठः 8+4

सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com
Website: www.swarajindianews.com

सांध्यकालीन समाचार पत्र

# स्वराज इंडिया

इनसाइड मां दुर्गा की पांचवीं शक्ति स्कंदमाता की पावन कथा...>Pg12

एचएएल को 8 नए डोर्नियर विमानों का आर्डर...>Pg03

मूल्यः 2 ₹

## हाइब्रिड आतंकियों के निशाने पर अब रेलवे-मेट्रो

# सावधानः ISI के स्लीपर सेल का 12 राज्यों में 'रेल जिहाद'!

- सोलर कैमरों से खुफिया रेकी, अंबाला में आरडीएक्स के साथ गिरफ्तारी, पाक हैंडलर्स चला रहा था नेटवर्क
- बिना आपराधिक रिकॉर्ड वाले युवाओं को बनाया मोहरा, 'रेल जिहाद' की साजिश से सुरक्षा एजेंसियों में अलर्ट

- 'हाइब्रिड आतंकी' नया और बेहद खतरनाक आतंकी मॉडल
- ISI का अप्रत्यक्ष नेटवर्क, गैंगस्टरों के जरिए संचालन
- सोलर कैमरों से हाईटेक रेकी, सुरक्षा तंत्र के लिए नई चुनौती
- अंबाला से आरडीएक्स बरामदगी ने खतरे की गंभीरता बढ़ाई
- 12 राज्यों में मॉड्यूल सक्रिय, पूरे देश में फैला नेटवर्क
- रेलवे और मेट्रो जैसे हाई-डेंसिटी टारगेट निशाने पर
- 'रेल जिहाद' जैसी साजिश से बड़े हमले की आशंका
- बिना रिकॉर्ड वाले युवाओं की भर्ती–पहचान करना मुश्किल
- केंद्रीय और राज्य एजेंसियां संयुक्त रूप से जांच में जुटीं

**स्वराज इंडिया ब्यूरो**

मेरठ/नई दिल्ली। देश की आंतरिक सुरक्षा को लेकर बड़ा और चिंताजनक खुलासा सामने आया है। सुरक्षा एजेंसियों ने एक ऐसे संगठित 'हाइब्रिड आतंकी' नेटवर्क का पर्दाफाश किया है, जिसकी जड़ें एक-दो नहीं बल्कि 12 से अधिक राज्यों तक फैली हुई हैं। प्रारंभिक जांच में यह नेटवर्क पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से संचालित बताया जा रहा है, जो भारत के भीतर नए तरीके से आतंक का ताना-बाना बुनने में जुटी थी।

यह नेटवर्क पारंपरिक आतंकी मॉड्यूल से अलग और अधिक खतरनाक माना जा रहा है, क्योंकि इसमें शामिल लोग स्थानीय स्तर पर सामान्य नागरिकों की तरह जीवन जीते हैं और उन पर किसी प्रकार का आपराधिक रिकॉर्ड नहीं होता। यही वजह है कि इन्हें पहचानना और समय रहते पकड़ना सुरक्षा एजेंसियों के लिए बेहद कठिन हो जाता है।

### कई राज्यों में छापेमारी

संयुक्त कार्रवाई के तहत उत्तर प्रदेश एसटीएफ, हरियाणा पुलिस और केंद्रीय खुफिया एजेंसियों ने अंबाला से तीन संदिग्धों को गिरफ्तार किया। इनके पास से विस्फोटक सामग्री आरडीएक्स बरामद किया गया, जिसने पूरे मामले की गंभीरता को और बढ़ा दिया। गिरफ्तार आरोपियों में अकबर अली (अजमेर), अनस (मेरठ) और जगबीर (अंबाला) शामिल हैं। इनके अलावा पंजाब का मक्खनदीप नामक आरोपी फरार है, जिसकी तलाश में कई राज्यों में छापेमारी की जा रही है। इसी नेटवर्क से जुड़े छह अन्य संदिग्धों को गाजियाबाद से भी हिरासत में लिया गया है, जिनसे पूछताछ के आधार पर और कई नाम सामने आने की संभावना है।

### नई तकनीक से सुरक्षा को चुनौती

इस नेटवर्क की सबसे खतरनाक और चौंकाने वाली रणनीति 'सोलर कैमरों' का इस्तेमाल रही। जांच में पाया गया कि दिल्ली-एनसीआर समेत कई शहरों में इन कैमरों को इस तरह लगाया गया था कि वे लंबे समय तक बिना बैटरी बदले काम करते रहें और किसी को संदेह भी न हो। इन कैमरों के जरिए रेलवे स्टेशन, मेट्रो स्टेशन, पुल, भीड़भाड़ वाले बाजार और अन्य संवेदनशील स्थानों की लगातार निगरानी की जा रही थी। रिकॉर्ड की गई वीडियो फुटेज को सुरक्षित चैनलों के माध्यम से पाकिस्तान भेजा जा रहा था, जहां बैठकर हैंडलर्स हमलों की रणनीति तैयार कर रहे थे।

### देशभर में अलर्ट, जांच तेज

इस खुलासे के बाद इंटेलिजेंस ब्यूरो (IB), एटीएस, एनआईए और सैन्य खुफिया एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं। सभी राज्यों को संवेदनशील स्थानों की सुरक्षा बढ़ाने, संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने और स्थानीय स्तर पर खुफिया नेटवर्क को सक्रिय करने के निर्देश दिए गए हैं। गिरफ्तार आरोपियों से लगातार पूछताछ जारी है और उनके डिजिटल डिवाइस, कॉल रिकॉर्ड व फंडिंग चैनलों की गहन जांच की जा रही है। सूत्रों का मानना है कि यह नेटवर्क जितना सामने आया है, उससे कहीं अधिक बड़ा हो सकता है और आने वाले दिनों में और बड़े खुलासे संभव हैं।

### 'हाइब्रिड आतंकी' मॉडलः नई चुनौती

'हाइब्रिड आतंकी' ऐसे लोग होते हैं जो सामान्य नागरिक की तरह रहते हैं न नौकरी में कोई संदेह, न कोई आपराधिक इतिहास, लेकिन समय आने पर वे आतंकी गतिविधियों को अंजाम देते हैं। इस मॉडल का सबसे बड़ा खतरा यही है कि ये सुरक्षा एजेंसियों की निगरानी से लंबे समय तक बाहर रहते हैं और अचानक हमला कर सकते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, यह मॉडल कश्मीर में पहले इस्तेमाल किया गया था, लेकिन अब इसे पूरे देश में फैलाने की कोशिश की जा रही है।

### रेलवे को निशाना बनाने की साजिश

जांच में एक और गंभीर पहलू सामने आया है रेलवे नेटवर्क पर हमले की योजना। सूत्रों के मुताबिक हाल के दिनों में रेल पटरियों से छेड़छाड़ और ट्रेनों को पटरी से उतारने की घटनाओं के पीछे इसी नेटवर्क की भूमिका की आशंका जताई जा रही है। एजेंसियों ने इसे 'रेल जिहाद' जैसी खतरनाक साजिश का हिस्सा बताया है, जिसका मकसद एक साथ बड़े पैमाने पर जनहानि और देश में दहशत फैलाना था।

### 12 से अधिक राज्यों में फैला नेटवर्क

खुफिया एजेंसियों के मुताबिक यह नेटवर्क उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, बिहार, झारखंड, आंध्र प्रदेश, केरल और जम्मू-कश्मीर समेत 12 से अधिक राज्यों में सक्रिय था। हर राज्य में छोटे-छोटे मॉड्यूल बनाए गए थे, जो जरूरत पड़ने पर सक्रिय हो सकते थे।

### पाकिस्तान कनेक्शन

जांच में सामने आया है कि इस पूरे नेटवर्क की कमान पाकिस्तान में बैठे कुख्यात गैंगस्टर शहजाद भट्टी के हाथों में थी, जो हैंडलर्स के इशारों पर काम करता है। भट्टी के जरिए भारत में सक्रिय मॉड्यूल को फंडिंग, तकनीकी सहायता और टारगेट संबंधी निर्देश दिए जा रहे थे। खुफिया एजेंसियों का मानना है कि यह नेटवर्क सीधे आतंकी संगठनों से जुड़ा न होकर 'डिनाएबिलिटी' (इनकार की रणनीति) के तहत गैंगस्टरों और स्थानीय मॉड्यूल के जरिए संचालित किया जा रहा था, ताकि पकड़े जाने पर सीधा लिंक साबित करना कठिन हो।

# अशोक नगर में वर्षों बाद शुरू हुई सीयूजीएल गैस पाइपलाइन

## भाजपा पार्षद पवन गुप्ता के प्रयासों से पाइपलाइन का विधिवत उद्घाटन हुआ

» क्षेत्रवासियों को मिली बड़ी राहत

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। वार्ड 37 अशोक नगर में लंबे समय से बंद पड़ी सीयूजीएल गैस पाइपलाइन को आखिरकार फिर से शुरू कर दिया गया। रविवार, 22 मार्च 2026 को भाजपा पार्षद पवन गुप्ता के प्रयासों से पाइपलाइन का विधिवत उद्घाटन वरिष्ठ भाजपा नेता श्याम लाल बाजपेई द्वारा किया गया। क्षेत्र में गैस आपूर्ति बंद रहने से लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। चुनावी घोषणा पत्र में इस समस्या के समाधान का वादा किया गया था, जिसे अब पूरा कर दिया गया है। स्थानीय लोगों ने इसे बड़ी राहत बताते हुए जनप्रतिनिधियों के प्रयासों की सराहना की।

उद्घाटन कार्यक्रम में भाजपा पार्षद पवन गुप्ता ने कहा कि क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं का समाधान उनकी प्राथमिकता है और आगे भी विकास कार्यों में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने बताया कि गैस पाइपलाइन शुरू होने से अब घर-घर सुचारु गैस आपूर्ति सुनिश्चित होगी।इस अवसर पर विनय बाजपेई, अशोक शर्मा, संजय प्रकाश, राकेश सिंह, अर्जुन दुबे, दिनेश गुप्ता, उमेश कुमार गुप्ता, अशोक सिंह, मुन्ना शुक्ला, संदीप मिश्रा, लखन लाल गुप्ता, लालू शर्मा, संजय मेहरोत्रा, कन्हैया लाल, अंकित कनौजिया, रोहिणी देवी बाजपेई, राजेश्वरी राजपूत, माया सिंह, अनीता शुक्ला, उषा भदौरिया, रश्मी पांडे, अजय जैसवाल सहित सैकड़ों की संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र में उत्साह का माहौल देखने को मिला और लोगों ने गैस आपूर्ति बहाल होने पर खुशी जाहिर की। स्थानीय नागरिकों को उम्मीद है कि अब उन्हें गैस की समस्या से निजात मिलेगी और दैनिक जीवन अधिक सुगम होगा।

# तंबाकू गोदाम में महिला पर धारदार हथियार से हमला

» कायमगंज में सहकर्मी ने किया जानलेवा वार, आरोपी हिरासत में

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

फर्रुखाबाद। कायमगंज कोतवाली क्षेत्र के पश्चिमी क्रॉसिंग स्थित एक तंबाकू गोदाम में आपसी विवाद ने सोमवार को हिंसक रूप ले लिया। तंबाकू की गड्डी (मुट्ठा) बनाने को लेकर हुए पुराने विवाद के चलते एक दबंग युवक ने महिला सहकर्मी पर धारदार हथियार से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई।

जानकारी के अनुसार, गांव रुटौल निवासी रेखा कोरी और महेश नामक युवक एक ही तंबाकू गोदाम में कार्यरत हैं। बताया जा रहा है कि बीते दिन दोनों के बीच काम के दौरान किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। यह विवाद सोमवार सुबह उस समय बढ़ गया जब महिला रोज की तरह काम पर पहुंची। इसी दौरान आरोपी महेश ने अचानक धारदार हथियार से रेखा कोरी पर हमला कर दिया। हमले में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। घायल महिला को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, कायमगंज ले जाया गया, जहां उसकी नाजुक हालत को देखते हुए जिला अस्पताल लोहिया के लिए रेफर कर दिया गया।। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और कार्रवाई करते हुए आरोपी को हिरासत में ले लिया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है और मामले की जांच जारी है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, प्रारंभिक जांच में मामला आपसी विवाद का प्रतीत हो रहा है।

# लोहिया जयंती पर कानपुर में दी गई श्रद्धांजलि

## विधायक अभिताभ वाजपेई ने कहा कि समाजवाद और समानता के विचारों को याद करने का दिन

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। महान समाजवादी चिंतक डॉ. राम मनोहर लोहिया की जयंती के अवसर पर शहर में श्रद्धा और सम्मान के साथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। डॉ. राम मनोहर लोहिया स्मारक समिति की ओर से फूलबाग स्थित लोहिया स्मारक पर आयोजित समारोह में बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आर्यनगर विधायक अमिताभ बाजपेई ने लोहिया जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि डॉ. लोहिया का जीवन संघर्ष, समानता और सामाजिक न्याय की मिसाल है। उनके विचार आज भी समाज को नई दिशा देने का कार्य कर रहे हैं।उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में लोहिया जी के सिद्धांतों को अपनाना अत्यंत आवश्यक है, जिससे समाज में समरसता और न्याय की स्थापना हो सके।कार्यक्रम की अध्यक्षता स्मारक समिति के अध्यक्ष अंबर त्रिवेदी ने की, जबकि संचालन अनुराग वर्मा ने किया। इस अवसर पर राम गोपाल पुरी, नवीन दीक्षित, अनुराग वर्मा (अन्नू), आशीष त्रिवेदी, श्याम तिवारी, बंटी शर्मा, बिल्लू वाल्मीकि, अनुज निगम, विनय शुक्ला, शशांक पाठक, आनंद तिवारी, सोनू साहू, कन्हैया जैसवाल, शेरू अग्रवाल, अशोक गुप्ता, मोहम्मद इमरान, संतोष सविता, साकिब, आशुतोष शुक्ला, भानु गुप्ता, मोंटी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता व समर्थक मौजूद रहे।

समारोह के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने डॉ. लोहिया के आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया और समाज में समानता व न्याय स्थापित करने का आह्वान किया।

# शहीद दिवस पर पीएमएस में गूंजा इंकलाब जिंदाबाद, निकाली गई प्रभात फेरी

## 37वीं वाहिनी पीएसी के निर्देशन में कार्यक्रम, छात्रों ने निभाई शहीदों की भूमिकाएं

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। 37वीं वाहिनी पीएसी, कानपुर नगर में शहीद दिवस के अवसर पर पुलिस मॉडर्न स्कूल (पीएमएस) द्वारा जागरूकता प्रभात फेरी एवं स्मृति सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम सेनानायक बीबी चौरसिया (आईपीएस) के निर्देशन में हुआ।इस दौरान विद्यालय के छात्रों ने भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु की वेशभूषा धारण कर झांकी प्रस्तुत की। इससे पूर्व विद्यालय के छात्रों द्वारा प्रभात फेरी निकाली गई, जिसमें देशभक्ति के नारों के साथ आमजन को जागरूक किया गया। 'इंकलाब जिंदाबाद' और 'भारत माता की जय' के नारों से वातावरण गूंज उठा। विद्यालय प्रांगण में आयोजित सभा में सेनानायक ने शहीदों के जीवन, साहस और बलिदान पर प्रकाश डाला तथा विद्यार्थियों को उनसे प्रेरणा लेने का संदेश दिया।कार्यक्रम के दौरान संगीत शिक्षक श्री लाल बहादुर चौरसिया ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत किया। इसके बाद संगीत कक्ष में भी कीबोर्ड की धुनों पर गीत प्रस्तुत कर माहौल को देशभक्ति से भर दिया। इस अवसर पर शिविरपाल श्री चंद्रेश्वर, सूबेदार सैन्य सहायक श्री सुरेंद्र सिंह सहित वाहिनी के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित कर किया गया।

# समुद्री सुरक्षा होगी हाईटेक, एचएएल को 8 नए डोर्नियर विमानों का आर्डर

## कानपुर से 'मेक इन इंडिया' की महाउड़ान

**स्वराज इंडिया न्यूज डेस्क**

**कानपुर/नई दिल्ली।** देश की रक्षा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाते हुए रक्षा मंत्रालय ने हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) को 8 नए डोर्नियर विमान बनाने का महत्वपूर्ण करार सौंपा है। 'मेक इन इंडिया' के विजन को गति देने वाला यह समझौता न केवल भारत की समुद्री सुरक्षा को नई मजबूती देगा, बल्कि स्वदेशी रक्षा उत्पादन की क्षमता को भी वैश्विक स्तर पर स्थापित करेगा।

यह करार रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की मौजूदगी में एचएएल की कानपुर स्थित ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट डिवीजन (TAD) और रक्षा मंत्रालय के अधिकारियों के बीच संपन्न हुआ। HAL पहले ही भारतीय तटरक्षक बल को 19 डोर्नियर विमान सौंप चुका है और हाल में दो उन्नत डोर्नियर डीओ-228 विमानों की डिलीवरी भी कर चुका है। इसके अलावा गुयाना को विमान निर्यात कर एचएएल ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी अपनी विश्वसनीयता साबित की है।

नए डोर्नियर विमान लगभग 75 प्रतिशत स्वदेशी तकनीक और उपकरणों से निर्मित होंगे। इसमें देश में विकसित एवियोनिक्स, सेंसर और संरचनात्मक सिस्टम शामिल हैं। यह न केवल आयात पर निर्भरता घटाएगा, बल्कि रक्षा क्षेत्र में घरेलू उद्योगों और एमएसएमई सेक्टर को भी व्यापक अवसर देगा।

तकनीकी रूप से ये विमान अत्याधुनिक क्षमताओं से लैस होंगे। इनमें ग्लास कॉकपिट, डबल टर्बो इंजन, उन्नत रडार प्रणाली और इन्फ्रारेड सेंसर शामिल हैं। इनकी मदद से ये विमान खराब मौसम, कम दृश्यता और चुनौतीपूर्ण समुद्री परिस्थितियों में भी प्रभावी निगरानी और ऑपरेशन कर सकेंगे। सैटेलाइट कम्युनिकेशन सिस्टम इन्हें लगातार संपर्क में बनाए रखेगा, जिससे रीयल-टाइम ऑपरेशन संभव होंगे।

समुद्री सुरक्षा के दृष्टिकोण से यह सौदा बेहद अहम माना जा रहा है। भारत के विस्तृत समुद्री तट और आर्थिक क्षेत्र (EEZ) में अवैध मछली पकड़ने, तस्करी, समुद्री डकैती और घुसपैठ जैसी चुनौतियां लगातार बनी रहती हैं। ऐसे में ये डोर्नियर विमान भारतीय तटरक्षक बल के लिए 'फोर्स मल्टीप्लायर' साबित होंगे। ये विमान लंबी दूरी तक गश्त करने, संदिग्ध गतिविधियों की पहचान करने और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने में सक्षम होंगे।

इन विमानों में इलेक्ट्रॉनिक इंटेलिजेंस (ELINT) सिस्टम भी लगाया गया है, जो दुश्मन की गतिविधियों पर निगरानी रखने के साथ-साथ मिसाइल ट्रैकिंग और खतरे की पूर्व चेतावनी देने में सक्षम है। सिंथेटिक अपर्चर रडार तकनीक के जरिए समुद्र और जमीन की स्पष्ट, हाई-रिजोल्यूशन तस्वीर प्राप्त की जा सकती है, जिससे ऑपरेशन की सटीकता बढ़ती है।

एचएएल इन विमानों की मारक क्षमता को भी बढ़ाने की दिशा में काम कर रहा है। इसके लिए रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) और अन्य रक्षा कंपनियों के साथ मिलकर 12.7 मिमी गन सिस्टम से लैस करने की योजना बनाई जा रही है। इससे ये विमान केवल निगरानी ही नहीं, बल्कि आवश्यकता पड़ने पर सीधे कार्रवाई करने में भी सक्षम होंगे।

विशेषज्ञों का मानना है कि यह करार 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान को ठोस आधार देगा। HAL की कानपुर इकाई पहले से ही ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट निर्माण में अग्रणी रही है और इस नए प्रोजेक्ट से स्थानीय स्तर पर रोजगार, तकनीकी कौशल और औद्योगिक विकास को भी बढ़ावा मिलेगा। कानपुर से उड़ान भरने वाले ये डोर्नियर विमान केवल एक रक्षा सौदे का हिस्सा नहीं हैं, बल्कि यह भारत की तकनीकी आत्मनिर्भरता, औद्योगिक क्षमता और सुरक्षा संकल्प का प्रतीक हैं। 'मेक इन इंडिया' की यह उड़ान आने वाले समय में भारत को वैश्विक रक्षा उत्पादन के मानचित्र पर और अधिक मजबूत स्थिति में स्थापित कर सकती है। एचएएल ने अब तक 150+ डोर्नियर विमान बनाकर एक मजबूत उत्पादन आधार खड़ा किया है, और वर्तमान में 30-40 के आसपास सक्रिय ऑर्डर/प्रोजेक्ट के साथ यह प्रोग्राम आने वाले वर्षों में भी लगातार विस्तार की दिशा में बढ़ रहा है।

### क्यों अहम है यह रक्षा करार?

**समुद्री सुरक्षा को मजबूती**
भारत की 7,500 किमी लंबी समुद्री सीमा की निगरानी एक बड़ी चुनौती है। ये विमान तटरक्षक बल की निगरानी क्षमता को कई गुना बढ़ाएंगे।

**'मेक इन इंडिया' को गति**
स्वदेशी तकनीक के बढ़ते उपयोग से आयात पर निर्भरता घटेगी और घरेलू उद्योगों को प्रोत्साहन मिलेगा।

**रणनीतिक बढ़त**
हिंद महासागर क्षेत्र में बढ़ती भू-राजनीतिक गतिविधियों के बीच यह करार भारत की सामरिक स्थिति को मजबूत करेगा।

**रोजगार और औद्योगिक विकास**
कानपुर में एचएएल की इकाई और उससे जुड़े सप्लाई चेन में नए रोजगार और तकनीकी अवसर पैदा होंगे।

**निर्यात की संभावनाएं**
गुयाना को निर्यात के बाद अब अन्य देशों के लिए भी भारतीय डोर्नियर विमान एक आकर्षक विकल्प बन सकते हैं।

### डोर्नियर विमान की प्रमुख खासियतें

- 75% तक स्वदेशी तकनीक का उपयोग
- मल्टी-रोल क्षमता- निगरानी, सर्च एंड रेस्क्यू, खुफिया ऑपरेशन
- इन्फ्रारेड सेंसर और अत्याधुनिक रडार
- ग्लास कॉकपिट और डिजिटल एवियोनिक्स
- डबल टर्बो इंजन, लंबी दूरी की उड़ान क्षमता
- सैटेलाइट कम्युनिकेशन से रीयल-टाइम संपर्क
- इलेक्ट्रॉनिक इंटेलिजेंस (ELINT) सिस्टम
- भविष्य में 12.7 मिमी गन से लैस करने की तैयारी

मौत का तांडव

कानपुर-औरैया हाईवे पर देर रात भीषण सड़क हादसा

# दो युवकों की मौके पर ही मौत, दो की हालत गंभीर

## होंडा अमेज कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर पार कर दूसरी लेन में चली गई

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर देहात। कानपुर-औरैया हाईवे पर कुंभी दूध फैक्ट्री के पास रविवार देर रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर पार कर दूसरी लेन में पहुंच गई, जहां सामने से आ रही कार से उसकी जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

**डिवाइडर पार कर दूसरी लेन में पहुंची कार**

पुलिस के अनुसार, कानपुर से औरैया की ओर जा रही होंडा अमेज कार (क्र78 स्र॥ 3585) अचानक अनियंत्रित हो गई और डिवाइडर पार कर दूसरी लेन में चली गई। इसी दौरान औरैया से कानपुर की ओर आ रही कार (यूपी70 HS 9813) से उसकी आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों गाड़ियां बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं।

हादसे में प्रयागराज निवासी चार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। इनमें श्रेष्ठ केसरवानी (प्रीतम नगर), गौरव (चौक), हिमांशु केसरवानी (धूमनगंज) और रवि (चौक) शामिल हैं। घटना की सूचना मिलते ही अकबरपुर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को 108 एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल भिजवाया। वहां डॉक्टरों ने हिमांशु केसरवानी और रवि को मृत घोषित कर दिया, जबकि अन्य दो घायलों का इलाज जारी है। उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। फिलहाल हादसे के कारण स्पष्ट नहीं हो सके हैं। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि कार अनियंत्रित कैसे हुई।

# 'नाग देवता' की रहस्यमयी मौजूदगी बनी चर्चा का केंद्र

## ग्राम घाघू में चल रही श्रीमद् भागवत कथा, आस्था का दिख रहा अद्भुत संगम

ग्राम घाघू में यह आयोजन राम विलास व उनकी पत्नी शारदा देवी ने कराया है। नव-निर्मित मंदिर में भगवान शिव परिवार की विधि-विधान से प्राण प्रतिष्ठा हुई। इस अवसर पर मंदिर परिसर में 17 मार्च से श्रीमद् भागवत कथा शुरू हुई है, जो 24 तक चलेगी। इस अद्भुत दृश्य को देखकर गांव के लोग इसे भगवान शिव की कृपा और दिव्य चमत्कार मान रहे हैं। घटना की चर्चा फैलते ही आसपास के गांवों से भी बड़ी संख्या में लोग यहां पहुंच रहे हैं। लोग एक ओर कथा का श्रवण कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर इस अनोखे दृश्य के दर्शन भी कर रहे हैं। ग्राम घाघू की यह घटना अब पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है।

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर देहात (रसूलाबाद)। तहसील रसूलाबाद के ग्राम घाघू से आस्था और विश्वास से जुड़ी एक अनोखी खबर सामने आई है, जिसने पूरे क्षेत्र का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। यहां बाबा ब्रम्ह देव के दरबार के पास एक भव्य मंदिर का निर्माण कराया गया है। इस समय य कथा चल रही है। ग्रामीणों के अनुसार, कथा शुरू होते ही पास के एक बिल से एक नाग प्रतिदिन बाहर निकलता है और शांतिपूर्वक कथा स्थल के पास बैठा रहता है। कथा समाप्त होते ही वह बिना किसी को नुकसान पहुंचाए वापस अपने बिल में चला जाता है।

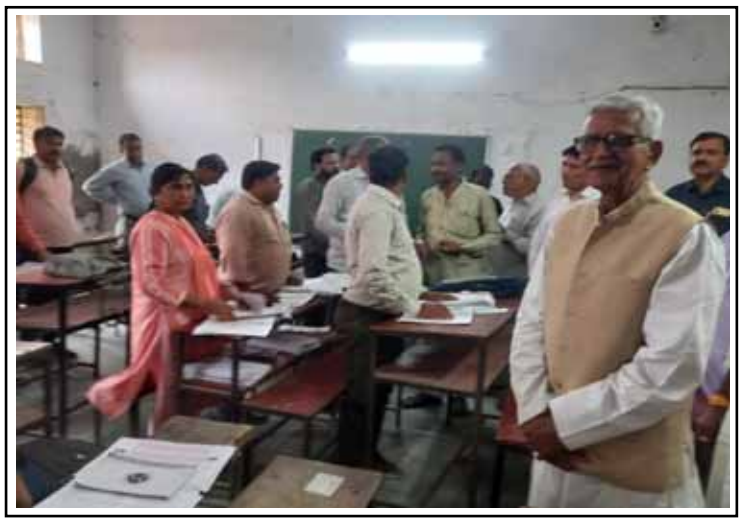

# मूल्यांकन केंद्रों पर पहुंचे शिक्षक विधायक राज बहादुर सिंह चंदेल

## शिक्षकों की समस्याएं सुनीं

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर देहात।अकबरपुर इंटर कॉलेज व राजकीय इंटर कॉलेज पुखरायां स्थित मूल्यांकन केंद्रों का निरीक्षण करने पहुंचे शिक्षक विधायक राज बहादुर चंदेल ने शिक्षकों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं और उनके समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षकों के मुद्दों को विधानसभा में मजबूती से उठाया जाएगा और उनके हितों की अनदेखी किसी भी कीमत पर नहीं होने दी जाएगी।निरीक्षण के दौरान शिक्षक विधायक ने स्पष्ट किया कि वित्तविहीन शिक्षकों को मानदेय दिलाने तक संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने ÷समान कार्य के लिए समान वेतन÷ की मांग को जायज बताते हुए कहा कि यह शिक्षकों का अधिकार है, जिसे दिलाने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे।

उन्होंने चेतावनी भरे अंदाज में कहा कि यदि सरकार द्वारा शिक्षकों के हितों की अनदेखी की गई तो संगठन व्यापक आंदोलन करने के लिए तैयार है। साथ ही उन्होंने शिक्षकों से एकजुट रहने का आह्वान करते हुए कहा कि एकता के बल पर ही अपने अधिकार हासिल किए जा सकते हैं।

इस दौरान कई शिक्षकों ने मूल्यांकन कार्य से जुड़ी समस्याओं के साथ-साथ सेवा शर्तों, मानदेय और सुविधाओं को लेकर अपनी परेशानियां विधायक के समक्ष रखीं।

कार्यक्रम में प्रधानाचार्य भारत सिंह, शिक्षक नेता एस.के. शुक्ला, अनिल सिंह, प्रशांत कटियार, सरोवर सिंह, राजू सिंह सहित अनेक शिक्षक व कर्मचारी उपस्थित रहे।

## सम्पादकीय

# शिखर सम्मेलन से दुनिया में भारतीय दस्तक

भारत ने बदलती वैश्विक हवा की दिशा-दशा को पहचानते हुए देश में जिस सबसे बड़ी एआई समिट आयोजित कराने का फैसला किया, उसके सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं। इस पांच दिवसीय शिखर सम्मेलन की सार्थकता का पता इस बात से चलता है कि इसमें सौ बड़ी कंपनियों के सीईओ, बीस के करीब देशों के राष्ट्राध्यक्ष और 135 देशों के प्रतिनिधि जुटने की बात कही जा रही है। हाल के वर्षों में, दुनिया के सबसे ज्यादा युवाओं के देश भारत में एआई को लेकर जिस तरह का उत्साह व जुनून देखने को मिल रहा है, उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में वो देश को दुनिया में एआई का हब बना ही देगा। वहीं दूसरी ओर महत्वपूर्ण बात यह भी है कि एआई भारत में आम लोगों के जीवन में बदलाव की वाहक बने। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस यानी एआई भारत समेत दुनिया के देशों में आज सुशासन, विकास व नागरिक सेवाओं के बेहतर निस्तारण में कारगर भूमिका निभा रही है। यही वजह है कि ग्लोबल साउथ के देश हमारी ओर बड़ी उम्मीद से देख रहे हैं कि भारत द्वारा विकसित एआई के दिशा-निर्देश और नीतियां उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिये मददगार साबित होंगी। आज दुनिया में विकसित व धनी देश एआई को अपनी संकीर्ण आर्थिक व राजनीतिक हितों की पूर्ति का साधन बना रहे हैं, उससे गरीब व विकासशील देशों में असुरक्षाबोध पैदा हो रहा है। यह सुखद ही कि देश की राजधानी दिल्ली पांच दिन तक दुनिया में एआई कैपिटल बनी रहेगी। वहीं दूसरी ओर, 20 फरवरी तक भारत मंडपम में आयोजित की जा रही पांच दिवसीय इंडिया समिट में करीब तीन लाख लोगों का रजिस्ट्रेशन कराना, इस आयोजन की सार्थकता व सफलता को ही उजागर करता है। इसमें दो राय नहीं है कि हाल के वर्षों मे भारत ने खुद को एक एआई पॉवर हाउस के रूप में विकसित करने का प्रयास किया है। साथ ही विशाल डाटा संसाधन के साथ ही एआई वर्क फोर्स को भी तैयार किया है।

निस्संदेह, इंडिया समिट तकनीकी क्रांति के बीच नई संभावनाओं को तलाशने की भारत की सकारात्मक पहल है। विश्वास किया जा रहा है कि इस सम्मेलन के जरिये भारत दुनिया में एआई को जवाबदेह, स्थायी और समावेशी तकनीक के रूप में स्थापित करने का प्रयास करेगा। इसमें दो राय नहीं कि हाल के वर्षों में एआई की स्वीकार्यता व कारोबार तेजी से बढ़ा है।

लेकिन विडंबना यह है कि तमाम धनी राष्ट्रों में इस तकनीक को अपना जिन्न बनाने की होड़ लगी है। जो कालांतर दुनिया में पहले से ही व्याप्त आर्थिक असमानता को और ही बढ़ाएगा। सही मायनों में दुनिया में समावेशी समाज बनाने और आर्थिक विषमता को दूर करने के लिये जरूरी है कि एआई का उपयोग लोकतांत्रिक तरीके से नैतिकतापूर्ण ढंग से किया जाए। विश्वास किया जाना चाहिए कि इंडिया समिट में दुनिया के देश एआई तकनीक के सामने आने वाली चुनौतियों पर भी मंथन करेंगे। इस तथ्य से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि एआई तेजी से दुनिया में विस्तार तो पा रही है, मगर यह तकनीक मानव जीवन के लिये कई तरह के खतरे भी पैदा कर रही है। हाल के वर्षों में दुनिया में एआई के दुरुपयोग के मामले भी तेजी से बढ़े हैं। जाहिर है इसके उपयोगकर्ताओं में इसको लेकर भरोसा कायम रहना चाहिए।

# ड्रैगन ने चल दी है नई चाल, अब पानी से करेगा वार

डा0 सुधीर सचदेवा

**यह वही नदी है जो भारत में सियांग और फिर ब्रह्मपुत्र बनती है और आगे बांग्लादेश में जमुना के रूप में बहती है। अकेले ब्रह्मपुत्र घाटी में भारत के करीब तेरह करोड़ लोगों की आजीविका इस नदी पर निर्भर है जबकि बांग्लादेश में यह संख्या करोड़ों में है।चीन ने तिब्बत के यारलुंग सांगपो नदी पर जिस विशाल जलविद्युत परियोजना की शुरुआत की है, उसने एशिया की भू-राजनीति में हलचल नहीं बल्कि भूकंप ला दिया है। यह कोई साधारण बांध नहीं, बल्कि पानी के जरिये ताकत हासिल करने की खुली रणनीति है।**

और सबसे खतरनाक बात यह है कि इसकी मार सीधे भारत और बांग्लादेश जैसे निचले देशों पर पड़ने वाली है। इस साल की शुरुआत में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अपने नववर्ष संबोधन में जब इस परियोजना का ऐलान किया तो दुनिया को साफ संदेश मिला कि चीन अब न तो पर्यावरण की चिंता करेगा और न ही पड़ोसी देशों की। करीब 167 अरब डॉलर की लागत से बन रही यह परियोजना दुनिया की सबसे बड़ी जलविद्युत योजना बताई जा रही है जिसकी क्षमता 67 से 80 गीगावाट तक आंकी जा रही है। तुलना करें तो यह थ्री गॉर्जेस बांध से भी लगभग तीन गुना बड़ी हो सकती है।यह वही नदी है जो भारत में सियांग और फिर ब्रह्मपुत्र बनती है और आगे बांग्लादेश में जमुना के रूप में बहती है। अकेले ब्रह्मपुत्र घाटी में भारत के करीब तेरह करोड़ लोगों की आजीविका इस नदी पर निर्भर है जबकि बांग्लादेश में यह संख्या करोड़ों में है। यानी यह परियोजना सीधे करोड़ों जिंदगियों पर असर डालने वाली है।पानी पर कब्जा यानी भविष्य पर कब्जाचीन इस परियोजना को हरित ऊर्जा का नाम दे रहा है, लेकिन असल खेल कहीं ज्यादा गहरा है। नदी के ऊपरी हिस्से पर नियंत्रण का मतलब है नीचे बहने वाले पानी पर नियंत्रण। और यही वह बिंदु है जहां यह परियोजना एक रणनीतिक हथियार बन जाती है।विशेषज्ञों का साफ कहना है कि यदि चीन चाहे तो सूखे के समय पानी रोक सकता है और तनाव के समय अचानक छोड़ सकता है। इससे बाढ़ जैसी तबाही पैदा हो सकती है। यही वजह है कि भारत के पूर्वोत्तर में इसे वाटर बम कहा जा रहा है।लोवी संस्थान की एक रिपोर्ट ने चेतावनी दी है कि तिब्बत के पठार पर चीन का बढ़ता जल नियंत्रण भारत की अर्थव्यवस्था पर गला घोंटने वाला दबाव बना सकता है।

यह केवल जल संकट नहीं बल्कि खाद्य संकट और ऊर्जा संकट को भी जन्म दे सकता है।पर्यावरण के साथ खतरनाक खिलवाड़जिस इलाके में यह परियोजना बन रही है वह भूगर्भीय दृष्टि से बेहद अस्थिर है। यह क्षेत्र दुनिया की सबसे गहरी घाटियों में गिना जाता है और यहां भूकंप तथा भूस्खलन आम बात है। ऐसे में इतनी बड़ी संरचना बनाना सीधे आपदा को निमंत्रण देना है। यदि किसी भी कारण से बांध को नुकसान पहुंचता है तो उसका असर हजारों किलोमीटर दूर तक जा सकता है।

ब्रह्मपुत्र की तेज धारा और विशाल जल प्रवाह इसे और भी खतरनाक बना देते हैं।इसके अलावा नदी के प्राकृतिक प्रवाह में बदलाव से पूरे पारिस्थितिकी तंत्र पर असर पड़ेगा। अनुमान है कि ब्रह्मपुत्र हर साल लगभग सात सौ मिलियन टन गाद लेकर आती है जो असम और बांग्लादेश की जमीन को उपजाऊ बनाती है। यदि यह प्रवाह बाधित हुआ तो खेती पर सीधा असर पड़ेगा।तिब्बत की आवाज दबाकर बनाई जा रही परियोजनाइस पूरे मामले में सबसे ज्यादा चिंता पारदर्शिता को लेकर है। न तो पर्यावरणीय रिपोर्ट सार्वजनिक की गई है और न ही स्थानीय लोगों से कोई राय ली गई है। भारत के पूर्व विदेश सचिव कंवल सिब्बल ने इसे चीन का दोहरा रवैया बताया है। उन्होंने हाल ही में कहा कि चीन जब अपने हित में होता है तो अंतरराष्ट्रीय नियमों की बात करता है और जब नहीं होता तो उन्हें कुचल देता है।

# धुरंधर -2 : सिनेमा, सियासत और जिम्मेदारी का टकराव

**धुरंधर 2 को लेकर छिड़ा विवाद केवल एक सिनेमाई बहस नहीं है, बल्कि यह हमारे समय के उस जटिल द्वंद्व को उजागर करता है, जहां अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, राजनीतिक नैरेटिव और सामाजिक जिम्मेदारी आपस में टकरा रहे हैं। यह मामला बताता है कि आज के दौर में सिनेमा महज मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि विचार निर्माण और जनमत को प्रभावित करने वाला सशक्त माध्यम बन चुका है।विवाद की जड़ में फिल्म का वह दृश्य है, जिसमें अतीक अहमद को पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ह्यस्ढ्ढ से जोड़ते हुए दिखाया गया है। इसके साथ ही कथानक में यह संकेत भी दिया गया है कि देश में नकली नोटों की एक बड़ी खेप आने वाली थी, जिसके खतरे के चलते नोटबंदी जैसा बड़ा आर्थिक फैसला लिया गया। इन दोनों पहलुओं ने मिलकर राजनीतिक और सामाजिक हलकों में तीखी प्रतिक्रिया को जन्म दिया है।**

पुरुषोत्तम द्विवेदी, वरिष्ठ पत्रकार

विपक्ष का आरोप है कि इस तरह का चित्रण एक खास राजनीतिक सोच को बढ़ावा देने की कोशिश है। उनके अनुसार, वास्तविक व्यक्तियों और नीतियों को काल्पनिक घटनाओं के साथ इस तरह जोड़ना न केवल भ्रामक है, बल्कि यह दर्शकों के मन में एकतरफा धारणा भी स्थापित कर सकता है। खासतौर पर तब, जब फिल्में बड़े पैमाने पर देखी जाती हैं और उनका असर गहरा होता है। यही कारण है कि सेंसर तंत्र की भूमिका पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं–क्या ऐसे संवेदनशील विषयों को बिना पर्याप्त तथ्यात्मक जांच के प्रस्तुत करना उचित है?हालांकि, इस बहस का दूसरा पक्ष भी उतना ही मजबूत है। फिल्म के निर्माताओं और सिनेमा जगत से जुड़े कई लोग इसे रचनात्मक स्वतंत्रता का मुद्दा मानते हैं। उनका तर्क है कि सिनेमा एक कला है, जहां कल्पना, नाटकीयता और प्रतीकात्मकता के जरिए कहानी को प्रभावी बनाया जाता है। यदि हर दृश्य को वास्तविकता की कसौटी पर कसने की बाध्यता होगी, तो रचनात्मकता का दायरा सिमट जाएगा। सिनेमा वास्तविकता का दस्तावेज नहीं, बल्कि एक रचनात्मक प्रस्तुति है।लेकिन असली चुनौती यहीं सामने आती है। जब सिनेमा में वास्तविक नाम, घटनाएं या नीतियां शामिल होती हैं, तो वह पूरी तरह 'फिक्शन' नहीं रह जाता। दर्शकों का एक बड़ा वर्ग उसे आंशिक सत्य मानने लगता है। ऐसे में फिल्मकारों की जिम्मेदारी बढ़ जाती है कि वे रचनात्मक स्वतंत्रता का उपयोग करते समय सामाजिक और राजनीतिक संवेदनशीलता का भी ध्यान रखें।दरअसल, भारत जैसे विविधतापूर्ण लोकतंत्र में सूचना और धारणा का गहरा संबंध है। यहां एक फिल्म, एक संवाद या एक दृश्य भी व्यापक सामाजिक प्रतिक्रिया उत्पन्न कर सकता है। नोटबंदी जैसा निर्णय देश के आर्थिक इतिहास का महत्वपूर्ण अध्याय रहा है, जिसे लेकर आज भी अलग-अलग राय मौजूद हैं। ऐसे में उसे किसी काल्पनिक आपराधिक साजिश से जोड़कर प्रस्तुत करना स्वाभाविक रूप से विवाद को जन्म देगा।इसी तरह, अतीक अहमद जैसे चर्चित आपराधिक चेहरे को अंतरराष्ट्रीय एजेंसी ह्यस्ढ्ढ से जोड़ना भी गंभीर सवाल खड़े करता है, क्योंकि इस तरह के दावों की सार्वजनिक रूप से कोई ठोस पुष्टि सामने नहीं आई है। यह वह बिंदु है, जहां रचनात्मक स्वतंत्रता और तथ्यात्मक जिम्मेदारी के बीच संतुलन की आवश्यकता सबसे अधिक महसूस होती है।यह विवाद दर्शकों की भूमिका पर भी सवाल उठाता है। क्या हम सिनेमा को केवल मनोरंजन के रूप में देखते हैं, या उसे वास्तविकता के संदर्भ में भी आंकते हैं? सोशल मीडिया के इस दौर में, जहां हर दृश्य और संवाद तुरंत बहस का हिस्सा बन जाता है, दर्शकों की समझ और विवेक भी उतना ही महत्वपूर्ण हो जाता है।अंततः, 'धुरंधर 2' का यह विवाद हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि सिनेमा की सीमाएं और जिम्मेदारियां क्या होनी चाहिए। एक ओर रचनात्मक स्वतंत्रता का संरक्षण जरूरी है, क्योंकि यही कला और विचारों की प्रगति का आधार है। वहीं, दूसरी ओर यह भी सुनिश्चित करना होगा कि इस स्वतंत्रता का उपयोग इस तरह न हो, जिससे समाज में भ्रम या पूर्वाग्रह को बढ़ावा मिले।निष्कर्ष है कि यह मामला किसी एक पक्ष की जीत या हार का नहीं, बल्कि संतुलन स्थापित करने की आवश्यकता का है। सिनेमा को स्वतंत्र रहना चाहिए, लेकिन संवेदनशील भी; और समाज को सजग रहना चाहिए, लेकिन पूर्वाग्रह से मुक्त।

# भाजपा संगठन में नए चेहरों की एंट्री, जेपी कटियार व विक्रम मिश्रा को अहम जिम्मेदारी

## सूची जारी होते ही समर्थकों में जश्न, फूल-मालाओं से हुआ जोरदार स्वागत

स्वराज इंडिया ब्यूरो

**बिल्हौर (कानपुर)।** भारतीय जनता पार्टी की कानपुर ग्रामीण इकाई ने संगठनात्मक विस्तार करते हुए नई जिला कार्यकारिणी का ऐलान कर दिया है। जिलाध्यक्ष उपेंद्र पासवान ने प्रदेश नेतृत्व की मंजूरी के बाद पदाधिकारियों की सूची जारी की, जिसमें कई नए चेहरों को अहम जिम्मेदारी सौंपी गई है। जारी सूची के अनुसार जय प्रकाश कटियार (जेपी), समरजीत सिंह और वेदव्रत सचान को जिला महामंत्री बनाया गया है। वहीं गीता गुप्ता, अनिरुद्ध शुक्ला, रणविजय सिंह, पुष्कर शुक्ला, सूर्यब्रम्ह सिंह, संदीप बाजपेयी, रवीन्द्र सिंह और राजेश यादव को जिला उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा अमरनाथ राजपूत, श्याम सिंह चंदेल, एम.पी. सलोनिया, प्रियंका राजपूत, श्याम सिंह, अंजली तिवारी, सौरभ कुशवाहा और दीप्ती पटेल को जिला मंत्री बनाया गया है। संगठन की आर्थिक जिम्मेदारी अतुल कुमार बाजपेई को कोषाध्यक्ष और अभय शंकर उर्फ विक्रम मिश्रा को सह-कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

कार्यकारिणी में स्थान मिलने पर फूल-मालाओं से लादे गए भाजपा नेता।

कार्यालय संचालन के लिए धर्मेंद्र पाल को कार्यालय मंत्री और बीके पांडेय (डंडा) को सह कार्यालय मंत्री बनाया गया है। मीडिया प्रबंधन की जिम्मेदारी मयंक अवस्थी को जिला संयोजक और दिग्विजय सिंह को सह संयोजक के रूप में सौंपी गई है। अनुराग शर्मा व प्रशांत त्रिपाठी को प्रभारी तथा आशीष बाजपेयी को सह मीडिया प्रभारी बनाया गया है। आईटी व सोशल मीडिया टीम में भी कई कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दी गई है। नई कार्यकारिणी की घोषणा के बाद कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। जगह-जगह मिठाई बांटी गई और ढोल-नगाड़ों के साथ खुशी जताई गई। खासकर जयप्रकाश कटियार के महामंत्री बनने पर उनके आवास पर समर्थकों की भीड़ उमड़ पड़ी और उन्हें फूल-मालाओं से लादकर जोरदार स्वागत किया गया।

### संगठन के फैसले से कुछ चेहरों पर शिकन

क्षेत्र में लगातार सक्रिय रहने वाले जेपी कटियार और विक्रम मिश्रा को जिम्मेदारी मिलने के बाद पार्टी के अंदरूनी हलकों में हलचल तेज हो गई है। सूत्रों के मुताबिक, कस्बे के कुछ भाजपाई इस फैसले को सहज रूप से स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं। नई जिम्मेदारियों के ऐलान के बाद जहां समर्थकों में उत्साह है, वहीं कुछ चेहरों पर नाराजगी भी साफ झलक रही है। राजनीतिक गलियारों में इसे संगठन के अंदर चल रही खींचतान के रूप में भी देखा जा रहा है।

# बसपा की समीक्षा बैठक में बूथ स्तर पर संगठन मजबूत करने पर जोर

स्वराज इंडिया ब्यूरो

**बिल्हौर(कानपुर)।** बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के 'चलो बूथ की ओर' अभियान के तहत रविवार को चंद्रशेखर आजाद नगर कस्बा, बिल्हौर में बूथ संख्या 63 व 64 पर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में पार्टी संगठन को बूथ स्तर पर मजबूत करने और कार्यकर्ताओं की सक्रियता बढ़ाने पर जोर दिया गया।

मुख्य अतिथि पूर्व जिला प्रभारी सोबरन सिंह शास्त्री ने कहा कि पार्टी की सफलता बूथ की मजबूती पर निर्भर करती है, इसलिए सभी कार्यकर्ता पूरी जिम्मेदारी के साथ कार्य करें। अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ नेता अनबार बेग ने भी कार्यकर्ताओं से संगठन विस्तार में जुटने का आह्वान किया।

बैठक में विधानसभा प्रभारी एडवोकेट विनय कुमार गौतम, अध्यक्ष रमेश पाल, उपाध्यक्ष प्रेमचन्द्र बौद्ध, बामसेफ सह संयोजक हरिपाल सिंह बौद्ध समेत कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

इस दौरान बिल्हौर देहात सेक्टर के लिए महेश गौतम को सर्वसम्मति से सेक्टर अध्यक्ष चुना गया। बैठक में बूथ गठन का कार्य भी सम्पन्न किया गया और आगामी रणनीति पर चर्चा हुई। अंत में पदाधिकारियों ने सभी कार्यकर्ताओं का आभार जताया।

# तालाब में डूबकर मजदूर की मौत, लौकी तोड़ने गया था

स्वराज इंडिया ब्यूरो

**बिल्हौर(कानपुर)।** थाना क्षेत्र के डुढ़वा जमौली गांव में रविवार शाम एक दर्दनाक हादसे में मजदूर की तालाब में डूबकर मौत हो गई। घटना से परिवार में कोहराम मच गया।

मिली जानकारी के अनुसार, गांव निवासी 34 वर्षीय राहुल कठेरिया उर्फ रिंकू पुत्र छुन्ना लाल रविवार शाम घर के पीछे स्थित तालाब किनारे लौकी तोड़ने गया था। इसी दौरान अचानक उसका पैर फिसल गया और वह तालाब में जा गिरा। बताया जा रहा है कि युवक नशे की हालत में था, जिससे वह खुद

को संभाल नहीं सका और पानी में डूब गया। शोर सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और उसे बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

राजस्व टीम ने भी मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की और पीड़ित परिवार को हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। मृतक मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करता था। उसकी पत्नी का पहले ही निधन हो चुका है, जिससे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

# पिता की डांट से आहत युवक ने लगाई फांसी

स्वराज इंडिया ब्यूरो

**चौबेपुर/बिल्हौर(कानपुर)।** चौबेपुर थाना क्षेत्र के महाराजपुर गांव में रविवार देर रात एक 18 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना से गांव में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और जांच शुरू कर दी है।

महाराजपुर निवासी रेहान (18) पुत्र अरसद अली के बारे में परिजनों ने बताया कि वह शराब का आदी था। रविवार शाम उसने पिता से शराब के लिए रुपये मांगे थे। पिता द्वारा मना करने और डांटने पर वह नाराज होकर घर से निकल गया। देर रात गांव में ही एक दुकान के बाहर लगे पाइप में रस्सी के सहारे फांसी लगाकर जान दे दी। सोमवार सुबह दुकान के बाहर युवक का शव लटका देख ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंचे परिजन बदहवास हो गए। पुलिस ने शव को नीचे उतरवाकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

परिजनों के अनुसार, परिवार पहले से ही सदमे में था। बीते वर्ष उनकी बेटी की ट्रेन से कटकर मौत हो चुकी है। अब इकलौते बेटे की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। थाना प्रभारी ने बताया

### चौबेपुर क्षेत्र के महाराजपुर गांव की घटना परिजनों ने कहा वह शराब का आदी था

कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

# बसपा को झटकाः डॉ. एम. एच. खान ने थामा साइकिल का साथ

**» डॉ. खान बसपा में एक प्रभावशाली प्रवक्ता के रूप में टीवी बहसों, सार्वजनिक मंचों और मीडिया संवाद में वे पार्टी का पक्ष मजबूती से रखते रहे हैं**

**» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो**

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर दल-बदल की हलचल तेज हो गई है। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ता और पार्टी के प्रमुख मुस्लिम चेहरे माने जाने वाले डॉ. एम. एच. खान ने समाजवादी पार्टी (सपा) का दामन थाम लिया है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई, जिसके बाद राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। डॉ. खान बसपा में एक प्रभावशाली प्रवक्ता के रूप में जाने जाते थे। टीवी बहसों, सार्वजनिक मंचों और मीडिया संवाद में वे पार्टी का पक्ष मजबूती से रखते रहे हैं। मुस्लिम समुदाय के बीच भी उन्हें बसपा का प्रमुख चेहरा माना जाता था। हालांकि, राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि उनकी भूमिका अधिकतर वैचारिक और मीडिया तक सीमित रही, जबकि जमीनी स्तर पर उनकी पकड़ सीमित थी।

विशेषज्ञों के अनुसार, डॉ. खान के सपा में जाने से बसपा को बड़ा चुनावी नुकसान होने की संभावना कम है, क्योंकि उनके पास मजबूत जनाधार या बूथ स्तर का संगठन नहीं था। ऐसे में उनके साथ कोई बड़ा वोट बैंक शिफ्ट होने की उम्मीद नहीं है।फिर भी, इस घटनाक्रम को बसपा प्रमुख मायावती के लिए एक प्रतीकात्मक झटका माना जा रहा है। बसपा पिछले कुछ वर्षों से संगठनात्मक कमजोरियों और लगातार खराब चुनावी प्रदर्शन से जूझ रही है। ऐसे समय में एक प्रमुख प्रवक्ता का पार्टी छोड़ना उसकी छवि को प्रभावित कर सकता है।दूसरी ओर, सपा के लिए यह कदम एक रणनीतिक बढ़त के रूप में देखा जा रहा है। डॉ. खान जैसे मुखर नेता के जुड़ने से पार्टी को मुस्लिम समुदाय तक अपनी बात पहुंचाने में मदद मिल सकती है।





साथ ही, विपक्षी दल के नेता का शामिल होना सपा की बढ़ती राजनीतिक साख का संकेत भी देता है।उत्तर प्रदेश में मुस्लिम मतदाताओं का झुकाव परंपरागत रूप से सपा की ओर रहा है। ऐसे में डॉ. खान का यह कदम प्रतीकात्मक रूप से यह संदेश देता है कि बसपा के प्रति मुस्लिम समुदाय का भरोसा कमजोर हो रहा है। हालांकि, बसपा का मूल वोट आधार दलित समाज है, जिस पर इस घटनाक्रम का सीधा असर पड़ने की संभावना नहीं है।कुल मिलाकर, डॉ. एम. एच. खान का सपा में जाना बसपा के लिए छवि स्तर पर झटका जरूर है, लेकिन जमीनी स्तर पर इसका असर सीमित रहने की संभावना जताई जा रही है। वहीं सपा ने इस सियासी मौके को भुनाते हुए अपनी रणनीतिक स्थिति को मजबूत करने का संकेत दिया है।

## फर्जी IAS बनकर रचाई शादी, 15 लाख की ठगी के बाद फरार

**इटावा का युवक प्रीतम निषाद निकला जालसाज**

**गोरखपुर में रचाई थी शादी, तीसरी शादी का भी खुलासा**

**» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो**

गोरखपुर/इटावा।। उत्तर प्रदेश में खुद को भारतीय प्रशासनिक सेवा (IAS) अधिकारी बताकर शादी करने और लाखों रुपये ठगने का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। इटावा निवासी प्रीतम निषाद नामक युवक ने फर्जी दस्तावेजों के सहारे खुद को IAS अधिकारी बताकर गोरखपुर की युवती से विवाह रचा लिया और ससुराल पक्ष से करीब 15 लाख रुपये ऐंठ लिए। मामला सामने आने के बाद आरोपी फरार हो गया है।

पुलिस और स्थानीय सूत्रों के अनुसार, प्रीतम निषाद ने अपने आपको प्रतिष्ठित IAS अधिकारी बताते हुए न केवल लड़की पक्ष को प्रभावित किया, बल्कि फर्जी नियुक्ति पत्र, पहचान पत्र और अन्य सरकारी दस्तावेज भी तैयार करवा रखे थे।

इन दस्तावेजों के आधार पर उसने खुद को विश्वसनीय साबित किया, जिससे लड़की के परिवार ने बिना किसी संदेह के शादी के लिए हामी भर दी।

बताया जा रहा है कि शादी पूरे रीति-रिवाज और धूमधाम से संपन्न हुई। विवाह के दौरान और बाद में आरोपी ने विभिन्न बहानों से लड़की पक्ष से करीब 15 लाख रुपये ले लिए। शुरुआत में सब कुछ सामान्य प्रतीत हुआ, लेकिन कुछ दिनों बाद एक व्यक्ति ने लड़की के परिवार को जानकारी दी कि उनका दामाद असली IAS अधिकारी नहीं, बल्कि एक जालसाज है।

यह जानकारी मिलते ही लड़की पक्ष के होश उड़ गए। परिवार ने तत्काल जांच-पड़ताल शुरू की और जब सच्चाई की पुष्टि हुई तो वे आरोपी के घर पहुंचे। हालांकि, भनक लगते ही प्रीतम निषाद मौके से फरार हो गया। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी पहले भी दो शादियां कर चुका है और इस तरह के धोखाधड़ी के मामलों में उसकी संलिप्तता रही है। पुलिस को आशंका है कि वह इसी तरह फर्जी पहचान बनाकर अन्य लोगों को भी ठग चुका हो सकता है।

पीड़ित परिवार ने आरोपी और उसके परिजनों के खिलाफ संबंधित धाराओं में एफआईआर दर्ज कराई है।

पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और आरोपी की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

## ग्राम रोजगार सेवकों ने मानदेय को लेकर कलेक्ट्रेट में किया प्रदर्शन

**11माह से नहीं मिल रहा मानदेय, तीन सूत्रीय मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन नगर मजिस्ट्रेट को सौंपा**

**» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो**

फर्रुखाबाद । सोमवार को ग्राम से रोजगार सेवक वेलफेयर एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह और ग्राम रोजगार सेवकों ने 11 माह से मानदेय का भुगतान न किए जाने के विरोध में कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रदर्शन किया। बाद में मुख्यमंत्री को संबोधित तीन सूत्री मांगों का ज्ञापन नगर मजिस्ट्रेट संजय बंसल को सौंपा। जिसमें कहा है कि जनपद के मनरेगा कार्मिक ग्राम रोजगार सेवक के को काफी समय से मानदेय भुगतान न होने के कारण परिवार भुखमरी की कगार पर पहुंच गया है।विभागीय शिथिलता के कारण ग्राम रोजगार कर्मियों को लगभग 8 से 11 माह का मानदेय नहीं मिला है। ई0पी0एफ0 का भी भुगतान काफी समय से लंबित है। जिसकी कटौती होने के बाद भी खातों में हस्तांतरित नहीं की जा रही है। वर्तमान होली जैसे प्रमुख त्योहार पर भी मानदेय नहीं मिल पाया। इस कारण पारिवारिक जिम्मेदारियां बड़े स्तर पर प्रभावित हो गई हैं। साथ ही आर्थिक संकट के कारण कार्मिक विभागीय दायित्वों और पारिवारिक जिम्मेदारियां भी संतुलित नहीं हो पा रही हैं। मानदेय न प्राप्त होने से आर्थिक तंगी के कारण कई रोजगार सेवक साथी आत्महत्या कर चुके हैं। शासन द्वारा कई बार अपूर्ण कार्यों को पूर्ण और सभी मनरेगा के देययो का भुगतान किए जाने की मांग की है। लंबित मानदेय अति शीघ्र भुगतान कराया जाए। ई0पी0एफ0 को सभी के यू0ए0एन0 में हस्तांतरित कराया जाए। साथ ही अन्य कार्यों की भांति भारत की जनगणना 2017 के लिए हम सभी कर्मियों को भी प्राथमिकता पर लगाया जाए। मुख्यमंत्री से जल्द मानदेय दिलाए जाने की मांग की है। इस मौके पर प्रबल प्रताप सिंह विनोद कुमार संजय सिंह सर्वेश संजीव कुमार मालती देवी राहुल कुमार और सभी ग्राम रोजगार सेवक मौजूद रहे ।

## फर्जी मुकदमे में आरोपी बनाया, पीड़ित धरने पर बैठा

**» ठठिया पुलिस का गजब कारनामा, पीड़ित को डीएम से न्याय की आस**

**» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो**

कन्नौज। जनपद में यूं तो पुलिस आये दिन अपनी फजीहत करा चुकी है । एक ताजा मामला कन्नौज जनपद के ठठिया थाना क्षेत्र के मचुआपुर गाँव का है जहाँ पीड़ित को न्याय न मिलने से पीड़ित कलेक्टर कार्यालय के वाहर अनशन पर बैठ गया ।पीड़ित के मुताबिक मचुआपुर के रहने बाले एवन अली व सहनूर अली जो कि पंजाब के फरीदकोट जनपद में साइकिल से फेरी लगाकर गुजारा करते हैं । गाँव के सजातीय लोगों ने स्थानीय पुलिस से साठ गाठ कर उक्त दोनों भाइयों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया । जबकि उक्त दोनों भाई पंजाब में ही थे जिसकी वीडियो भी पुलिस को दी गई मगर पुलिस ने पीड़ितों की एक नही सुनी।और मुकदमे में चार्जशीट दाखिल कर दी । हालांकि पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार ने सीओ तिर्वा को जांच कर कार्यवाही की बात कही साथ ही विनोद कुमार ने चार्जशीट को रोकने का भी आदेश दिया और कहा कि साक्ष्यों के आधार पर निष्पक्ष विवेचना कराई जाए।उधर पीड़ित अधिकारियों के चक्कर काट कर आखिर में कलेक्ट्रेट के वाहर बैनर टांग कर दोनों भाई अपने बूढ़े पिता के साथ आमरण अनशन पर बैठ गया । पुलिस के लिए यह कोई पहला मामला नही है जब उसने एकतरफा कार्यवाही कर के अधिकारियों की फजीहत न कराई हो । कभी अपने चहेतों को खुश करने के लिए तो कभी लालच में बेगुनाहों को फर्जी मुकदमा में फंसाने की झूठी कहानी को गढ़ा जाता है। अब पीड़ित को डीएम आशुतोष मोहन अग्निहोत्री से न्याय की पूरी आस लगी है।

# पानी के लिए 'पानी की तरह' बहे करोड़ों फिर भी गांव प्यासा

## दया ग्राम पंचायत में खारा पानी बना अभिशाप, 3 करोड़ 20 लाख से बनी पानी की टंकी बनी मुसीबत का कारण

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

**कानपुर देहात रसूलाबाद । सरकार की महत्वाकांक्षी हर घर जल योजना जहां ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने का दावा करती है, वहीं रसूलाबाद विकासखंड की दया ग्राम पंचायत में यह योजना पूरी तरह फेल साबित होती नजर आ रही है। करीब 3 करोड़ 20 लाख रुपये की लागत से बनी पानी की टंकी आज ग्रामीणों के लिए राहत नहीं, बल्कि मुसीबत का कारण बन गई है।**

दया ग्राम पंचायत के मजरा परसादपुरवा में वर्ष 2022 में शुरू हुई इस पानी टंकी से पिछले तीन वर्षों से खारा और चिपचिपा पानी सप्लाई हो रहा है। यह पानी न तो पीने योग्य है और न ही उपयोग के लायक। ग्रामीणों का कहना है कि इस पानी से नहाने पर त्वचा में खुजली और चर्म रोग तेजी से बढ़ रहे हैं। करीब 3500 की आबादी इस टंकी पर निर्भर है, लेकिन हालात यह हैं कि पीने के पानी के लिए लोगों को खेतों, कुओं और अन्य जलस्रोतों का सहारा लेना पड़ रहा है। महिलाओं को दूर-दूर तक पानी ढोना पड़ रहा है, जबकि कई परिवारों ने मजबूरी में निजी बोरिंग करवा ली है।

ग्रामीणों उमाशंकर तिवारी, संदीप सिंह, जसोदा देवी, मिथलेश, विश्राम सिंह, अरविंद सिंह आदि – का कहना है कि उन्होंने कई बार जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से शिकायत की, लेकिन तीन साल बाद भी समस्या जस की तस बनी हुई है। इससे लोगों में भारी आक्रोश है।

### प्रधान बोले, जिम्मेदार कौन ?

ग्राम प्रधान प्रवीण सिंह गौर ने साफ कहा कि जब से टंकी चालू हुई है, तभी से खारा पानी आ रहा है। यह पानी केवल जानवरों के काम आ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि गुणवत्ता जांच में लापरवाही बरती गई और बिना सही परीक्षण के टंकी चालू कर दी गई।

अधिकारियों का दावा, फिर होगी जांच

इस पूरे मामले पर अवर अभियंता साहिल खान का कहना है कि पहले पानी की टेस्टिंग सही पाई गई थी, लेकिन अब शिकायत मिलने के बाद दोबारा गुणवत्ता जांच कराई जाएगी। वहीं प्रोजेक्ट से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि इस ग्राम पंचायत का हर घर जल सर्टिफिकेशन भी पूरा नहीं हुआ है। बड़ा सवाल है कि जब करोड़ों रुपये खर्च होने के बाद भी लोगों को शुद्ध पानी नसीब नहीं हो रहा, तो आखिर जिम्मेदार कौन है? क्या जांच के नाम पर फिर खानापूर्ति होगी या इस बार सच में ग्रामीणों को राहत मिलेगी?

कौशलेंद्र ने कहा, सोचा था हर घर तक साफ पानी पहुंचेगा, लेकिन आज भी गांव के लोग बूंद-बूंद के लिए तरस रहे हैं। सरकार की योजना हमारे लिए सिर्फ कागजों तक सीमित रह गई।

अरविंद कुमार ने कहा, टंकी बनने से लगा था कि हैंडपंप की लाइन खत्म हो जाएगी, लेकिन आज भी लोग उसी तरह लाइन लगाकर पानी भर रहे हैं। योजना का कोई फायदा गांव तक नहीं पहुंचा।

## सीओ संजय वर्मा बने एएसपी, पिपिंग सेरेमनी में एसपी ने लगाए अशोक स्तंभ

### पिपिंग सेरेमनी में पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय ने उनके कंधों पर अशोक स्तंभ लगाकर सम्मानित किया

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। उत्तर प्रदेश पुलिस में पदोन्नति के क्रम में भोगनीपुर क्षेत्राधिकारी (सीओ) संजय वर्मा को पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) से अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) पद पर प्रोन्नत किया गया है। इस उपलब्धि पर पुलिस कार्यालय में आयोजित पिपिंग सेरेमनी में पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय एवं अपर पुलिस अधीक्षक राजेश पाण्डेय ने उनके कंधों पर अशोक स्तंभ लगाकर सम्मानित किया और कहा कि वे नए दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा, ईमानदारी और कर्तव्यपरायणता के साथ करेंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि वर्मा अपने कार्यों से पुलिस विभाग की छवि को और सुदृढ़ बनाएंगे।इस अवसर पर सीओ अकबरपुर संजय सिंह, सीओ सिकंदरा प्रिया सिंह सहित जनपद के सभी क्षेत्राधिकारी, थाना प्रभारी व अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश शासन द्वारा हाल ही में जारी पदोन्नति सूची में कुल 43 पुलिस उपाधीक्षकों को अपर पुलिस अधीक्षक पद पर पदोन्नत किया गया है, जिसमें संजय वर्मा का नाम भी शामिल है। भोगनीपुर क्षेत्र में अपनी कार्यकुशलता और न्यायप्रिय छवि के लिए पहचान रखने वाले वर्मा की इस पदोन्नति से महकमे में खुशी का माहौल है।

## नई राह: हलधरपुर में डिजिटल लाइब्रेरी व कंप्यूटर एकेडमी शुरू

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। अमरौधा ब्लॉक क्षेत्र के हलधरपुर गांव में शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए डिजिटल लाइब्रेरी और कंप्यूटर एकेडमी सेंटर का भव्य शुभारंभ किया गया। भाजपा युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष देवेश बरौली ने फीता काटकर 'एस.एन. कंप्यूटर एकेडमी' एवं 'एस.एन. डिजिटल लाइब्रेरी' का उद्घाटन किया।

उद्घाटन कार्यक्रम में सेंटर के डायरेक्टर तरन्नुम जहां और लक्ष्मी चौबे समेत क्षेत्र के कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि आज का दौर पूरी तरह डिजिटल हो चुका है।

डायरेक्टर्स ने बताया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ढ्ढ) के इस युग में सरकार भी डिजिटल और कंप्यूटर शिक्षा को लगातार बढ़ावा दे रही है, जिससे युवाओं को नए अवसर मिल रहे हैं और उनका भविष्य उज्ज्वल बन रहा है।

यह सेंटर छात्रों को वातानुकूलित वातावरण में आधुनिक सुविधाओं से युक्त

डिजिटल लाइब्रेरी और कंप्यूटर शिक्षा प्रदान करेगा। यहां अनुभवी शिक्षकों द्वारा विभिन्न पाठ्यक्रम संचालित किए जाएंगे, जिनमें ट्रिपल सी ओ लेवल, डीसीए, एडीसीए, बेसिक सॉफ्टवेयर, हार्डवेयर, डाटा एंट्री, टाइपिंग, वेब डिजाइनिंग, कंप्यूटर डिप्लोमा तथा हिंदी व इंग्लिश टाइपिंग जैसे कोर्स शामिल हैं। कार्यक्रम में अस्मित द्विवेदी, नीरज द्विवेदी, हिमांशु मिश्रा, गोलू, प्रदीप शुक्ला, प्रदीप यादव, इंस्पेक्टर सलामुद्दीन, शाहनवाज, नीरज पांडेय, प्रभाशंकर पांडेय, चार्टर्ड अकाउंटेंट जुनैद सिद्दीकी, संदीप कुमार, संतोष कुमार, सिवांश पांडेय, सलमान खान और मुवीन अहमद सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। इस पहल से क्षेत्र के युवाओं को तकनीकी शिक्षा के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा और गांव में ही उन्हें आधुनिक शिक्षा का लाभ मिल सकेगा।

# युवक का शव मिला, हत्या की आशंका

## पुलिस बोली, पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चलेगा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। मंगलपुर थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव के पास एक बाइक भी पड़ी मिलने से घटना को लेकर कई तरह की आशंकाएं जताई जा रही हैं।जानकारी के अनुसार, सोमवार सुबह करीब 8 बजे डिलवल-झींझक मार्ग पर स्थित गौरी ईंट भट्ठा के पास ग्रामीणों ने सड़क किनारे एक युवक का शव पड़ा देखा। शव मिलने की सूचना फैलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलते ही मंगलपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण करते हुए जांच शुरू कर दी। मृतक की पहचान कठरा गांव निवासी योगेश कुमार उर्फ अंशु (पुत्र बृजेन्द्र स्वरूप) के रूप में हुई है।

मृतक की फाइल फोटो

मौके पर ग्रामीणों की भीड़ लगी

मृतक के पिता बृजेन्द्र स्वरूप ने जमीनी विवाद के चलते हत्या की आशंका जताई है। उन्होंने आरोप लगाया कि रंजिश के चलते उनके बेटे की हत्या की गई है। वहीं पुलिस का कहना है कि युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई, यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस सभी संभावित पहलुओं पर जांच कर रही है। अधिकारियों के अनुसार, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोग मामले के शीघ्र खुलासे और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

## सत्यम सिंह चौहान को सौंपी गई अहम जिम्मेदारी

### भाजपा में युवा चेहरों को तरजीह कार्यकताओं में खुशी की लहर

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात माती । भारतीय जनता पार्टी ने संगठनात्मक सुदृढ़ता को ध्यान में रखते हुए कर्मठ एवं जुझारू कार्यकर्ता सत्यम सिंह चौहान को जिला महामंत्री की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। पूर्व में जिला मंत्री के पद पर अपनी सक्रिय और प्रभावशाली भूमिका निभा चुके सत्यम सिंह चौहान पर एक बार फिर पार्टी हाईकमान ने भरोसा जताया है, जिससे कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल व्याप्त है।बताया जाता है कि सत्यम सिंह चौहान ने जिला मंत्री रहते हुए संगठन को मजबूत करने, कार्यकर्ताओं को जोड़ने और पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने में उल्लेखनीय योगदान दिया था। उनके इसी समर्पण, ईमानदारी और संगठन के प्रति निष्ठा को देखते हुए पार्टी नेतृत्व ने उन्हें पदोन्नत कर जिला महामंत्री की जिम्मेदारी सौंपी है। उनकी नियुक्ति की सूचना मिलते ही समर्थकों और नवयुवक कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड़ पड़ी। जगह-जगह फूल-मालाओं से उनका जोरदार स्वागत किया गया और मिठाई बांटकर जश्न मनाया गया। कार्यकर्ताओं ने इसे पार्टी में समर्पित और निष्ठावान कार्यकर्ताओं के सम्मान के रूप में देखा। देवा ठाकुर (उपाध्यक्ष, व्यापार मंडल मोहाना), अनुरुद्ध सिंह चौहान, अंकित पांडेय, हर्ष राठौर, कन्हैया मिश्रा, विकास भदौरिया सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।एक स्वर में कहा कि सत्यम सिंह चौहान के नेतृत्व में संगठन को नई ऊर्जा और गति मिलेगी तथा पार्टी की नीतियां और अधिक प्रभावी ढंग से जन-जन तक पहुंचेंगी। वहीं, सुम्मी ठाकुर (पतरा) ने भी शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल और सफल कार्यकाल की कामना की।

# पुखरायां में धूमधाम से निकाली गई गणगौर यात्रा, बरसाए गए फूल

## माता गौरी एवं भगवान शिव की प्रतिमाओं का श्रद्धा और उत्साह से हुआ विसर्जन

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। कस्बे में गणगौर पर्व के अवसर पर भव्य गणगौर यात्रा निकालकर माता गौरी एवं भगवान शिव की प्रतिमाओं का श्रद्धापूर्वक विसर्जन किया गया।

पूरे क्षेत्र में धार्मिक आस्था, उल्लास और पारंपरिक संस्कृति की अद्भुत झलक देखने को मिली।

गणगौर यात्रा का शुभारंभ विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना कर किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु, महिलाएं एवं युवतियां पारंपरिक वेशभूषा में शामिल हुईं।

महिलाओं ने हाथों में भगवान की प्रतिमाएं लेकर मंगल गीत गाए और माता गणगौर से सुख-समृद्धि व परिवार की खुशहाली की कामना की। यात्रा कस्बे के प्रमुख मार्गों से होकर निकली, जहां ढोल-नगाड़ों और भक्ति संगीत से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। महिलाओं ने पूरे उत्साह के साथ नृत्य करते हुए यात्रा में भाग लिया, जिससे माहौल और भी जीवंत हो उठा।

अंत में बड़े महादेवन स्थित तालाब पर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच माता गणगौर की प्रतिमाओं का भव्य विसर्जन किया गया। इस अवसर पर वर्षा गोयल, स्वाति गोयल, जाह्नवी अग्रवाल, डॉली गोयल, इशू अग्रवाल, राधा गर्ग, रुचि गोयल, गुंजन गोयल, सलोनी अग्रवाल, शिवांगी बंसल, अपेक्षा कंछल, शिप्रा गोयल, शगुन गोयल, नंदनी बंसल, मोहित गोयल, सुमित गोयल, शिखर गोयल, चेतन अग्रवाल, दर्श अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

## आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को दी गई योजनाओं की जानकारी

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से ब्लॉक क्षेत्र में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का दो दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में बड़ी संख्या में कार्यकत्रियों ने प्रतिभाग कर विभिन्न योजनाओं की जानकारी हासिल की।प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने पोषण अभियान, गर्भवती महिलाओं की देखभाल, बच्चों के टीकाकरण और प्री-स्कूल शिक्षा से संबंधित विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। प्रशिक्षण सत्र में कार्यकत्रियों को रिकॉर्ड संधारण, सर्वे कार्य और लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के तरीके भी बताए गए, ताकि जमीनी स्तर पर योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके। इस दौरान कार्यकत्रियों ने अपने कार्य से जुड़ी समस्याएं भी अधिकारियों के सामने रखीं, जिस पर संबंधित अधिकारियों ने शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में सुपरवाइजर विजय लक्ष्मी, एआरपी वीरेंद्र विक्रम सिंह, कुलदीप, योगेंद्र सिंह, अश्वनी सिंह, ब्लॉक संसाधन केंद्र से आशीष, अंकित , प्रमोद सहित संबंधित विभाग के अधिकारी, सुपरवाइजर व अन्य रहे।

# जनता दर्शन में सीएम योगी ने सुनीं फरियादें, अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को राजधानी स्थित अपने सरकारी आवास 5-कालिदास मार्ग पर आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में आम नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना। इस दौरान प्रदेश के विभिन्न जिलों से पहुंचे लोगों ने अपनी-अपनी शिकायतें मुख्यमंत्री के समक्ष रखीं।जनता दर्शन में बड़ी संख्या में फरियादी पहुंचे, जिनमें जमीन विवाद, पुलिस कार्रवाई, राजस्व संबंधी मामलों, पेंशन, आवास योजना और स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी शिकायतें प्रमुख रहीं। मुख्यमंत्री ने प्रत्येक प्रार्थना पत्र को ध्यानपूर्वक देखा और संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जनसमस्याओं का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध तरीके से सुनिश्चित किया जाए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को चेतावनी भरे अंदाज में कहा कि जनता की शिकायतों के समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही या देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने निर्देशित किया कि शिकायतों के निस्तारण में पारदर्शिता और संवेदनशीलता बनाए रखी जाए, ताकि लोगों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।उन्होंने यह भी कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि आम नागरिक को त्वरित न्याय और राहत मिले। इसके लिए सभी विभागीय अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी ईमानदारी और जवाबदेही के साथ करें।कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने कई मामलों में मौके पर ही अधिकारियों को फोन कर तत्काल कार्रवाई के निर्देश भी दिए। साथ ही गंभीर मामलों को चिन्हित कर उनकी नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने को कहा गया।जनता दर्शन कार्यक्रम को प्रदेश सरकार की जनसुनवाई व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जा रहा है, जिसके माध्यम से आम जनता सीधे मुख्यमंत्री तक अपनी बात पहुंचा रही है। सरकार का दावा है कि इस पहल से प्रशासनिक व्यवस्था में जवाबदेही बढ़ी है ।

# मुरादाबाद में 'ऑन डिमांड' हथियार सप्लाई गैंग का भंडाफोड़

» पंचायत चुनाव से पहले बढ़ी डिमांड, उत्तराखंड से लाकर या खुद बनवाकर करते थे सप्लाई

» तीन शातिर गिरफ्तार, 12 देशी बम और भारी मात्रा में कारतूस बरामद

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

मुरादाबाद। मुरादाबाद पुलिस ने 'ऑन डिमांड' देसी बम और तमंचों की सप्लाई करने वाले एक संगठित गिरोह का पर्दाफाश किया है। गिरफ्तार आरोपियों ने पूछताछ में खुलासा किया कि वे ग्राहकों से संपर्क कर तमंचा और देशी बम के ऑर्डर लेते थे और फिर उत्तराखंड समेत अन्य स्थानों से हथियार लाकर या खुद तैयार कर उनकी आपूर्ति करते थे।

पुलिस ने मझोला थाना क्षेत्र के लाइनपार विकास नगर निवासी दुष्यंत उर्फ दीपक, एकता कॉलोनी निवासी ऋषभ शर्मा और मूंढापांडे थाना क्षेत्र के गोवर्धनपुर निवासी अजीम को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 315 बोर के दो तमंचे, 60 जिंदा कारतूस और 35 खोखा कारतूस बरामद हुए हैं। इसके अलावा 12 बोर का एक तमंचा, दो जिंदा कारतूस और सात खोखा कारतूस भी मिले हैं।सबसे चौंकाने वाली बरामदगी 12 देशी बम (विस्फोटक हथगोले) की है, जिससे इस गिरोह की खतरनाक मंशा का अंदाजा लगाया जा रहा है।एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि मामले की गहन जांच की जा रही है और तीनों आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट और विस्फोटक अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया गया है।जांच में सामने आया है कि गिरोह का सरगना दुष्यंत उर्फ दीपक पहले भी अवैध हथियारों के मामलों में जेल जा चुका है। एलएलबी तक पढ़ा दुष्यंत वर्ष 2024 में तमंचा फैक्ट्री मामले में गिरफ्तारी के बाद जमानत पर छूटकर हरिद्वार चला गया था, जहां उसने अवैध असलहों का नेटवर्क तैयार किया।उत्तराखंड के ऊधमसिंह नगर के बदमाशों से संपर्क होने के बाद वह दोबारा मुरादाबाद लौट आया और अपने साथियों ऋषभ और अजीम को शामिल कर हथियारों की सप्लाई शुरू कर दी। आरोपियों ने बताया कि पंचायत चुनाव के चलते हथियारों की मांग बढ़ने की उम्मीद में उन्होंने अपने नेटवर्क का विस्तार किया और कई अन्य लोगों को भी जोड़ लिया।पुलिस अब गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी है और इस नेटवर्क के पूरे तंत्र को ध्वस्त करने की कार्रवाई तेज कर दी गई है।

## प्रतापगढ़ में एसडीएम की शादी पर बड़ा विवाद

# 20 करोड़ की डिमांड, ब्लैकमेलिंग और बर्बर उत्पीड़न के सनसनीखेज आरोप

## अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेलिंग व मारपीट का मामला दर्ज, प्रशासनिक हलकों में मचा हड़कंप

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

प्रतापगढ़/लखनऊ। उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जनपद से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जिसमें प्रशासनिक सेवा से जुड़े दो अधिकारियों के विवाह के बाद दहेज, उत्पीड़न और ब्लैकमेलिंग जैसे गंभीर आरोप लगे हैं। मामले में पीड़िता के पिता की शिकायत पर पुलिस ने दामाद, उसके माता-पिता और परिवार की अन्य सदस्यों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रतापगढ़ में तैनात एसडीएम दिव्या ओझा का विवाह एसडीएम अनुपम मिश्रा से हुआ था। आरोप है कि विवाह के दौरान मिश्रा परिवार की ओर से भारी-भरकम दहेज की मांग की गई। शिकायत में कहा गया है कि शादी में करीब 1 करोड़ रुपये नकद, एक इनोवा कार, लगभग 50 लाख रुपये के आभूषण और पांच सितारा होटल में भव्य आयोजन कराया गया। इसके बावजूद आरोप है कि लड़के पक्ष की ओर से लगभग 20 करोड़ रुपये की अतिरिक्त मांग की जा रही थी।

पीड़िता के पिता का आरोप है कि विवाह के बाद उनकी बेटी को लगातार मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया गया। शिकायत में यह भी कहा गया है कि आरोपियों ने कथित तौर पर अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेलिंग की और मारपीट भी की।

इस पूरे घटनाक्रम ने प्रशासनिक और सामाजिक दोनों स्तरों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित धाराओं में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। आरोपियों में पति अनुपम मिश्रा, उनके माता-पिता और परिवार की अन्य महिला सदस्य शामिल हैं। पुलिस का कहना है कि सभी आरोपों की निष्पक्ष जांच की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।उधर, इस प्रकरण के सामने आने के बाद प्रशासनिक गलियारों में भी हलचल तेज हो गई है। उच्चाधिकारियों ने मामले की रिपोर्ट तलब की है और जांच की प्रगति पर नजर रखी जा रही है। यदि आरोप सही पाए जाते हैं, तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई भी संभव है। फिलहाल, पुलिस जांच जारी है और सभी पक्षों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं।

संस्कारो की पार्टी या संसय की मंडी ?

# दलबदलुओं की चमक, विवादित चेहरों की धमक

## राघवेंद्र पाण्डेय के बहाने सजी टीम संगठन

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

**अयोध्या की पवित्र धरती पर भाजपा ने अपनी नई जिला कार्यसमिति का ऐलान किया है और इस बार कहानी की शुरुआत होती है राघवेंद्र पाण्डेय से। नाम बड़ा, उम्मीदें उससे भी बड़ी, लेकिन सूची पर नजर डालते ही सवालों का सैलाब भी उतना ही तेज हो जाता है।**

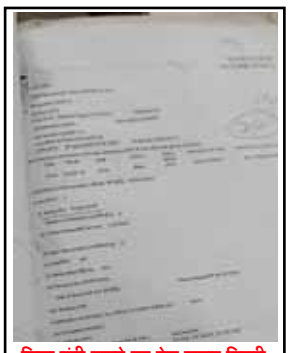

जिला मंत्री बनाये गए तेज कुमार तिवारी के खिलाफ दर्ज एफआईआर

राघवेंद्र पाण्डेय को केंद्र में रखकर जो टीम गढ़ी गई है, वह विचारधारा से ज्यादा विवादों और समीकरणों का मिश्रण लगती है। यह टीम संगठन कम और सियासी समायोजन का नमूना ज्यादा नजर आती है। सबसे बड़ा सवाल यह कि जिन चेहरों को कल तक पार्टी विरोधी बताकर खारिज किया गया, आज वही संगठन की धुरी बन गए हैं। लालचंद चौरसिया जैसे दलबदलू अब सम्मानित पदों पर विराजमान हैं यानि विचारधारा अब स्थायी नहीं, परिस्थितिजन्य हो गई है। और फिर आते हैं वो नाम, जिनके साथ 'अपराध' शब्द छाया की तरह चलता है। तेज तिवारी को जिम्मेदारी देना क्या यह संकेत है कि अब पार्टी में छवि नहीं, समीकरण प्राथमिकता है? क्या संगठन अब ÷साफ छवि÷ की जगह ÷साफ लाभ÷ की राजनीति पर उतर आया है? राघवेंद्र पाण्डेय के नेतृत्व में बनी यह टीम एक तरफ अनुभव और प्रभाव का दावा करती है, तो दूसरी तरफ विश्वसनीयता पर सवाल भी खड़े करती है। ऐसा लगता है कि संगठन के भीतर अब निष्ठा नहीं, उपयोगिता का मूल्यांकन हो रहा है।

कभी ÷संस्कार और सिद्धांत÷ की राजनीति का झंडा उठाने वाली भाजपा अब अयोध्या में व्यावहारिक राजनीति के नाम पर हर समीकरण को साधने में जुटी दिख रही है। सवाल यह नहीं कि कौन शामिल हुआ, सवाल यह है कि किन मानकों को ताक पर रखकर शामिल किया गया? अयोध्या, जहां रामराज्य की कल्पना जीवित रखी जाती है, वहां अगर संगठन की तस्वीर ही इतनी धुंधली हो जाए तो जनता किससे पारदर्शिता की उम्मीद करे? राघवेंद्र पाण्डेय की एंट्री इस टीम को मजबूती देगी या यह पूरी संरचना सवालों के बोझ तले दब जाएगी, यह वक्त बताएगाज्लेकिन फिलहाल, यह सूची संगठन से ज्यादा 'समझौते का दस्तावेज' जरूर लग रही है।

जिला कमेटी में उपाध्यक्ष बनाये गए लालचंद चौरसिया सपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष मुलायम सिंह के साथ

तेज तिवारी

## भाजपा की नई टीम का ऐलान

# कई नए चेहरों को मिली जिम्मेदारी

### महानगर व जिला कमेटी घोषित, अमित मिश्रा बने महानगर मीडिया प्रभारी

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

**अयोध्या। भारतीय जनता पार्टी ने संगठनात्मक मजबूती की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए महानगर व जिला कमेटियों की घोषणा कर दी है। प्रदेश अध्यक्ष की संस्तुति के बाद जारी सूची में कई नए और पुराने चेहरों को अहम जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। महानगर कमेटी में उपाध्यक्ष पद पर तिलकराम मौर्य, रामप्रीत वर्मा, रवि शर्मा, शशि प्रताप सिंह, बालकृष्ण वैश्य, रीना द्विवेदी, अरविंद सिंह व हरिभजन गौड़ को स्थान दिया गया है। वहीं महामंत्री के रूप में शैलेन्द्र कोरी, परमानंद मिश्र व शिवेन्द्र सिंह को जिम्मेदारी दी गई है। मंत्री पद पर प्रवीण दुबे, प्रदीप यादव, रवि सिंह, शिवम शुक्ला, स्वाति सिंह, गरिमा मौर्य, सर्वज्ञ सिंह व विपिन सिंह को नियुक्त किया गया है, जबकि कोषाध्यक्ष विनय निषाद बनाए गए हैं।**

महानगर मीडिया प्रभारी का दायित्व अमित कुमार मिश्रा को सौंपा गया है, जबकि सह-प्रभारी के रूप में जय प्रकाश श्रीवास्तव को जिम्मेदारी दी गई है। कार्यालय प्रभारी व्यंकटेश नारायण मिश्र बनाए गए हैं। सोशल मीडिया की कमान दिनेश कनौजिया व चंदन कसौरा को दी गई है, जबकि आईटी प्रमुख शुभम श्रीवास्तव व सह-आईटी प्रमुख ओमेश अग्रहरि नियुक्त किए गए हैं।

जिला कमेटी में भी व्यापक बदलाव किए गए हैं। उपाध्यक्ष पद पर कृष्ण कुमार पाण्डेय 'खुन्नू', राम मोहन भारती, अखंड प्रताप सिंह, सरोज मिश्र, ऋषिकेश वर्मा, सुमन पासवान, लाल चन्द्र चौरसिया व राजीव कुमार तिवारी को जिम्मेदारी दी गई है। महामंत्री के रूप में अशोक कसौधन, राघवेन्द्र पाण्डेय व शिवानंद सिंह को नियुक्त किया गया है। जिला मंत्री पद पर अशोक वर्मा, अनुज सिंह, तेज तिवारी, देवेंद्र सिंह, मंजू निषाद, वीरसेन काका, शांति देवी व अभिषेक यादव को दायित्व सौंपा गया है। कोषाध्यक्ष शेखर गुप्ता बनाए गए हैं। जिला मीडिया प्रभारी सुशील मिश्र व सह प्रभारी पुष्कर मिश्र होंगे, जबकि आईटी संयोजक अतुल मिश्र, सह संयोजक अजीत सिंह व दिवाकर पाण्डेय को जिम्मेदारी दी गई है।

अमित मिश्रा महानगर मीडिया प्रभारी

### अयोध्या में एनएसजी हब से सत्ता का सख्त संदेश

# रामनगरी की सुरक्षा पर 'ब्लैक कैट' की नजर

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। रामलला के दरबार में उमड़ती आस्था की भीड़ अब सुरक्षा की नई कहानी लिखने जा रही है। केंद्र सरकार ने अयोध्या को लेकर बड़ा फैसला लेते हुए यहां राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) का क्षेत्रीय केंद्र स्थापित करने की तैयारी शुरू कर दी है यानी अब रामनगरी की चौखट पर 'ब्लैक कैट' कमांडो स्थायी पहरा देंगे।

61 एकड़ जमीन की मांग और पहले चरण में 8 एकड़ उपलब्ध कराने के बाद यह साफ है कि सरकार अयोध्या को सिर्फ आस्था का नहीं, बल्कि सुरक्षा का भी हाई-प्रोफाइल जोन बनाने जा रही है। यह देश का सातवां एनएसजी हब होगा–जहां से आतंक के किसी भी साये पर तत्काल वार संभव होगा। राम मंदिर लोकार्पण के बाद 40 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं की आमद ने सुरक्षा तंत्र की सीमाएं उजागर कर दी थीं। अब सवाल सिर्फ भीड़ का नहीं, बल्कि खतरे के हर संभावित चेहरे का है। सत्ता ने संकेत दे दिया है–अयोध्या अब सिर्फ भावनाओं की राजधानी नहीं, बल्कि सुरक्षा का किला भी बनेगी।

# सशक्त किशोरी, सशक्त समाज संदेश संग निकली बालिकाओं की पदयात्रा

### » एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी ने दिखाई हरी झंडी

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। मुख्य अतिथि अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) बलवंत चौधरी ने मिशन शक्ति फेज-05 के तहत ÷सशक्त किशोरी, सशक्त समाज की ओर एक कदम÷ थीम पर आयोजित विशाल पदयात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

कार्यक्रम वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. गौरव ग्रोवर के निर्देशन में संपन्न हुआ, जिसमें लगभग 500 किशोरियों ने भाग लिया।

नन्सा बाजार से शुरू हुई यह पदयात्रा करीब 7 किमी की दूरी तय कर थाना तारुन परिसर में समाप्त हुई।

मार्ग में ग्राम सहसीपुर में स्वागत व जलपान की व्यवस्था की गई। समापन पर सांस्कृतिक कार्यक्रम, नुक्कड़ नाटक व जागरूकता गतिविधियों के जरिए बालिकाओं को महिला सुरक्षा, साइबर अपराध व हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई। अंत में उत्कृष्ट कार्य करने वाली किशोरियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

# मां दुर्गा की पांचवीं शक्ति स्कंदमाता की पावन कथा

## सारी इच्छाएं पूर्ण करती हैं मां स्कंदमाता...

पहाड़ों पर रहकर सांसारिक जीवों में नवचेतना का निर्माण करने वालीं स्कंदमाता। नवरात्रि में पांचवें दिन इस देवी की पूजा-अर्चना की जाती है। कहते हैं कि इनकी कृपा से मूढ़ भी ज्ञानी हो जाता है।

स्कंद कुमार कार्तिकेय की माता के कारण इन्हें स्कंदमाता नाम से अभिहित किया गया है। इनके विग्रह में भगवान स्कंद बालरूप में इनकी गोद में विराजित हैं।

इस देवी की चार भुजाएं हैं। ये दाईं तरफ की ऊपर वाली भुजा से स्कंद को गोद में पकड़े हुए हैं। नीचे वाली भुजा में कमल का पुष्प है। बाईं तरफ ऊपर वाली भुजा में वरदमुद्रा में हैं और नीचे वाली भुजा में कमल पुष्प है। इनका वर्ण एकदम शुभ्र है। ये कमल के आसन पर विराजमान रहती हैं। इसीलिए इन्हें पद्मासना भी कहा जाता है। सिंह इनका वाहन है।

शास्त्रों में इसका काफी महत्व बताया गया है। इनकी उपासना से भक्त की सारी इच्छाएं पूरी हो जाती हैं। भक्त को मोक्ष मिलता है। सूर्यमंडल की अधिष्ठात्री देवी होने के कारण इनका उपासक अलौकिक तेज और कांतिमय हो जाता है। अतः मन को एकाग्र रखकर और पवित्र रखकर इस देवी की आराधना करने वाले साधक या भक्त को भवसागर पार करने में कठिनाई नहीं आती है।

उनकी पूजा से मोक्ष का मार्ग सुलभ होता है। यह देवी विद्वानों और सेवकों को पैदा करने वाली शक्ति है। यानी चेतना का निर्माण करने वालीं। कहते हैं कालिदास द्वारा रचित रघुवंशम महाकाव्य और मेघदूत रचनाएं स्कंदमाता की कृपा से ही संभव हुईं।

### जब भारतीय ऑयल टैंकर को बनाया था बंधक, फिरौती जैसी 'सिक्योरिटी मनी' की मांग

# समंदर में 'दबंग' ईरान का था जलवा

**स्वराज इंडिया न्यूज डेस्क**

**नई दिल्ली.** मध्य-पूर्व की राजनीति में आज कमजोर पड़ता दिख रहा ईरान कभी समुद्री मार्गों पर अपनी दबंगई के लिए कुख्यात रहा है। खासकर हॉर्मुज जलडमरूमध्य में उसकी पकड़ इतनी मजबूत थी कि वह अंतरराष्ट्रीय जहाजों को बीच समुद्र में रोकने से भी नहीं हिचकता था। वर्ष 2013 की एक घटना ने इस 'समुद्री दबंगई' को दुनिया के सामने उजागर कर दिया था, जब ईरान ने भारतीय ऑयल टैंकर को रोककर बंधक बना लिया था।

साल 2013 में भारतीय शिपिंग कॉर्पोरेशन का विशाल ऑयल टैंकर 'देश शांति' इराक से कच्चा तेल लेकर भारत लौट रहा था। इसी दौरान ओमान की खाड़ी में ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स (IRGC) ने जहाज को घेर लिया और उसे अपने कब्जे में ले लिया।

ईरान ने आरोप लगाया कि जहाज से समुद्र में तेल रिसाव हो रहा है, जिससे प्रदूषण फैल रहा है। हालांकि, बाद में भारतीय जांच में यह दावा पूरी तरह निराधार साबित हुआ।

**भारत की सख्ती के आगे झुका ईरान:** मामले के तूल पकड़ने पर भारत सरकार ने कड़ा रुख अपनाया। ईरान के राजदूत को तलब कर कड़ी आपत्ति दर्ज कराई गई। राजनयिक दबाव बढ़ने के बाद ईरान बैकफुट पर आया और अंततः जहाज को रिहा करना पड़ा।

## प्रतिबंधों के दौर में आक्रामक हुआ था ईरान

विशेषज्ञों के अनुसार, उस समय ईरान पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों का भारी दबाव था। ऐसे में वह समुद्री मार्गों पर अपनी ताकत दिखाकर बड़े तेल खरीदार देशों, खासकर भारत, पर दबाव बनाना चाहता था। हॉर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्गों में से एक है, जहां से वैश्विक तेल आपूर्ति का बड़ा हिस्सा गुजरता है। इस क्षेत्र पर अपनी मजबूत पकड़ के कारण ईरान समय-समय पर विदेशी जहाजों को निशाना बनाता रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसे 'समुद्री दबाव नीति' या 'मैरीटाइम बुलीइंग' कहा गया।

## 'जुर्माना' या फिरौती?

ईरान ने जहाज और उसके क्रू को करीब 26 दिनों तक अपने बंदरगाह पर रोके रखा। जहाज को छोड़ने के बदले 10 लाख डॉलर (करीब 8.5 करोड़ रुपए) की 'सिक्योरिटी मनी' की मांग की गई। भारत के लिए यह मांग किसी फिरौती से कम नहीं थी, क्योंकि जहाज अंतरराष्ट्रीय नियमों का पालन कर रहा था।

## आज का बदलता परिदृश्य

वर्तमान में बदलते भू-राजनीतिक समीकरणों और बढ़ते अंतरराष्ट्रीय दबाव के चलते ईरान की स्थिति पहले जैसी मजबूत नहीं रही। लेकिन 2013 की यह घटना आज भी यह याद दिलाती है कि किस तरह समुद्री मार्गों का इस्तेमाल कूटनीतिक दबाव के औजार के रूप में किया जाता रहा है। भारतीय टैंकर 'देश शांति' प्रकरण केवल एक समुद्री विवाद नहीं था, बल्कि यह वैश्विक राजनीति, आर्थिक हितों और रणनीतिक ताकत के टकराव का प्रतीक था। यह घटना आज भी अंतरराष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा और कूटनीतिक संतुलन के महत्व को रेखांकित करती है।

# मुंबई में 'प्राचीन प्रतीकों' का दावा: त्रिशूल और वज्र के प्रदर्शन पर उठे सवाल

- शोधकर्ता सय्यद शर्मीर हुसैन का दावा 10 हजार और 3 हजार वर्ष पुराने अवशेष
- विशेषज्ञों की मौजूदगी में प्रस्तुति, पर आधिकारिक पुष्टि को लेकर स्थिति अस्पष्ट

**स्वराज इंडिया ब्यूरो**

**मुंबई।** महानगर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान भारतीय शोधकर्ता एवं व्यवसायी सय्यद शर्मीर हुसैन द्वारा सनातन परंपरा से जुड़े दो प्रतीकों भगवान शिव का त्रिशूल और भगवान इन्द्र का वज्र प्रदर्शित किए जाने का मामला चर्चा में है। हुसैन ने दावा किया कि ये दोनों दुर्लभ अवशेष फिलीपींस में खनन के दौरान प्राप्त हुए और इन्हें भारत लाकर संरक्षित किया गया है।

मुंबई स्थित ताज लैंड्स एंड होटल में आयोजित कार्यक्रम में हुसैन ने इन वस्तुओं को सार्वजनिक रूप से प्रस्तुत करते हुए कहा कि शिव का त्रिशूल लगभग 10,000 वर्ष पुराना है, जबकि इन्द्र का वज्र करीब 3,000 वर्ष पुराना माना जा रहा है। उनके अनुसार ये अवशेष वर्ष 2015 में फिलीपींस में खनन के दौरान मिले थे और 2016 में भारत लाए गए।

कार्यक्रम में वैज्ञानिक और कला इतिहासकार डॉ. वी. जयाराज, ब्रिटेन के वकील दीपेश मेहता, उद्यमी नितेश मानोपारा और ममता राजेश उताले सहित कई लोग मौजूद रहे। आयोजकों की ओर से दावा किया गया कि इन अवशेषों से संबंधित दस्तावेज़ और प्रमाण भी साझा किए गए हैं, जिनके आधार पर इन्हें ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण बताया गया।

हालांकि, इस पूरे मामले में आधिकारिक स्तर पर स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) और संस्कृति मंत्रालय से इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आई है। पुरातत्व विशेषज्ञों के अनुसार, किसी भी अवशेष की प्रामाणिकता और आयु निर्धारण के लिए वैज्ञानिक परीक्षण, कार्बन डेटिंग, धातु संरचना विश्लेषण और ऐतिहासिक संदर्भों का गहन अध्ययन आवश्यक होता है।

विशेषज्ञों का यह भी कहना है कि 10 हजार वर्ष पुराने धातु उपकरण या प्रतीकों का दावा असाधारण है, क्योंकि उस समय धातु विज्ञान का विकास सीमित था। ऐसे में इस प्रकार के दावों की पुष्टि के लिए विस्तृत वैज्ञानिक जांच जरूरी मानी जाती है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह भी बताया गया कि इन कथित अवशेषों की नीलामी आगामी 10 जून को प्रस्तावित है, जिसमें त्रिशूल की शुरुआती कीमत 500 करोड़ और वज्र की 250 करोड़ रुपए रखी गई है। हुसैन के अनुसार, नीलामी से प्राप्त राशि का उपयोग अनाथालयों और गरीब बच्चों की शिक्षा के लिए किया जाएगा।

## गंभीरता से जांचे जाने योग्य विषय

इधर, इतिहासकारों और पुरातत्व विशेषज्ञों के बीच इस दावे को लेकर बहस तेज हो गई है। कुछ विशेषज्ञ इसे गंभीरता से जांचे जाने योग्य विषय मान रहे हैं, जबकि अन्य इसे प्रमाणित होने तक संदिग्ध बता रहे हैं। फिलहाल, यह मामला दावों और संभावनाओं के बीच खड़ा है। जब तक संबंधित सरकारी एजेंसियां और स्वतंत्र वैज्ञानिक संस्थान इन अवशेषों की प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं करते, तब तक इन्हें ऐतिहासिक तथ्य के रूप में स्वीकार करना जल्दबाजी माना जा रहा है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **सपना देवी** द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादक: अनूप कुमार** **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 ❍ **Email:** swarajindia2023@gmail.com ❍ Mob: 7800009853, ❍ **Website:** www.swarajindianews.com ❍ (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे) **प्रधान संपादक: पुरुषोत्तम द्विवेदी**

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com